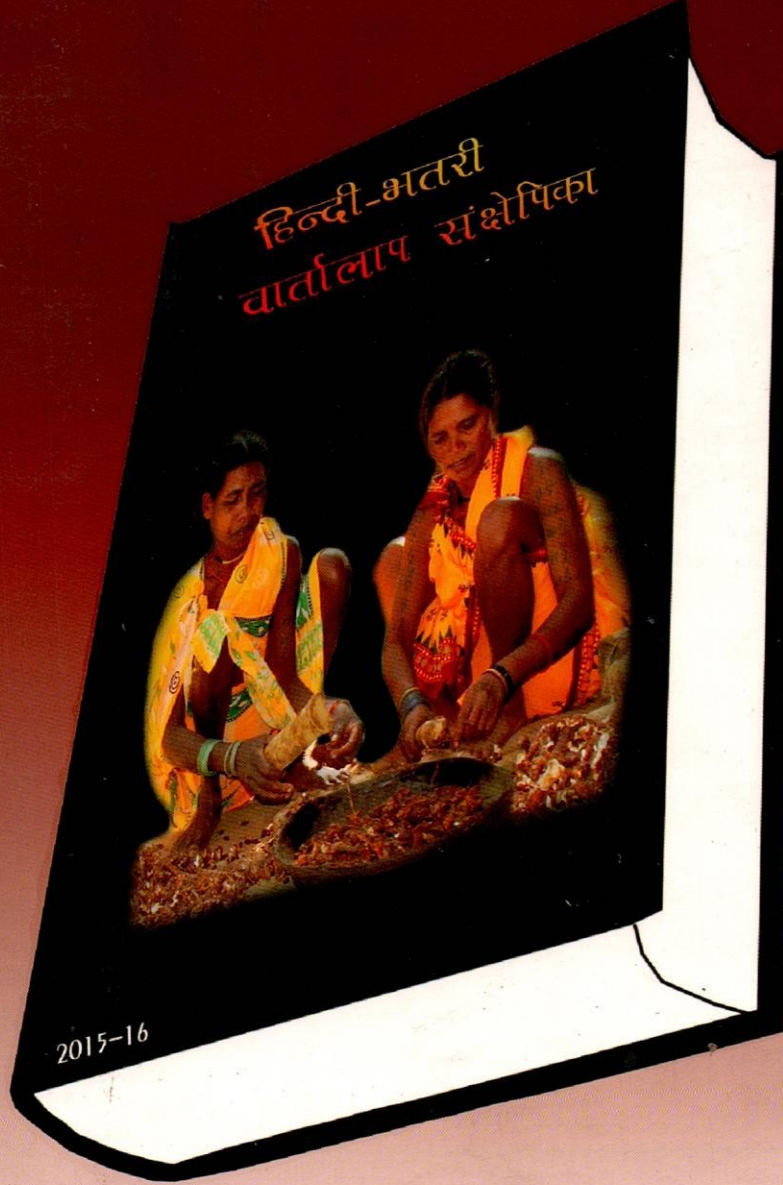


प्रकाशन क्रमांक.....

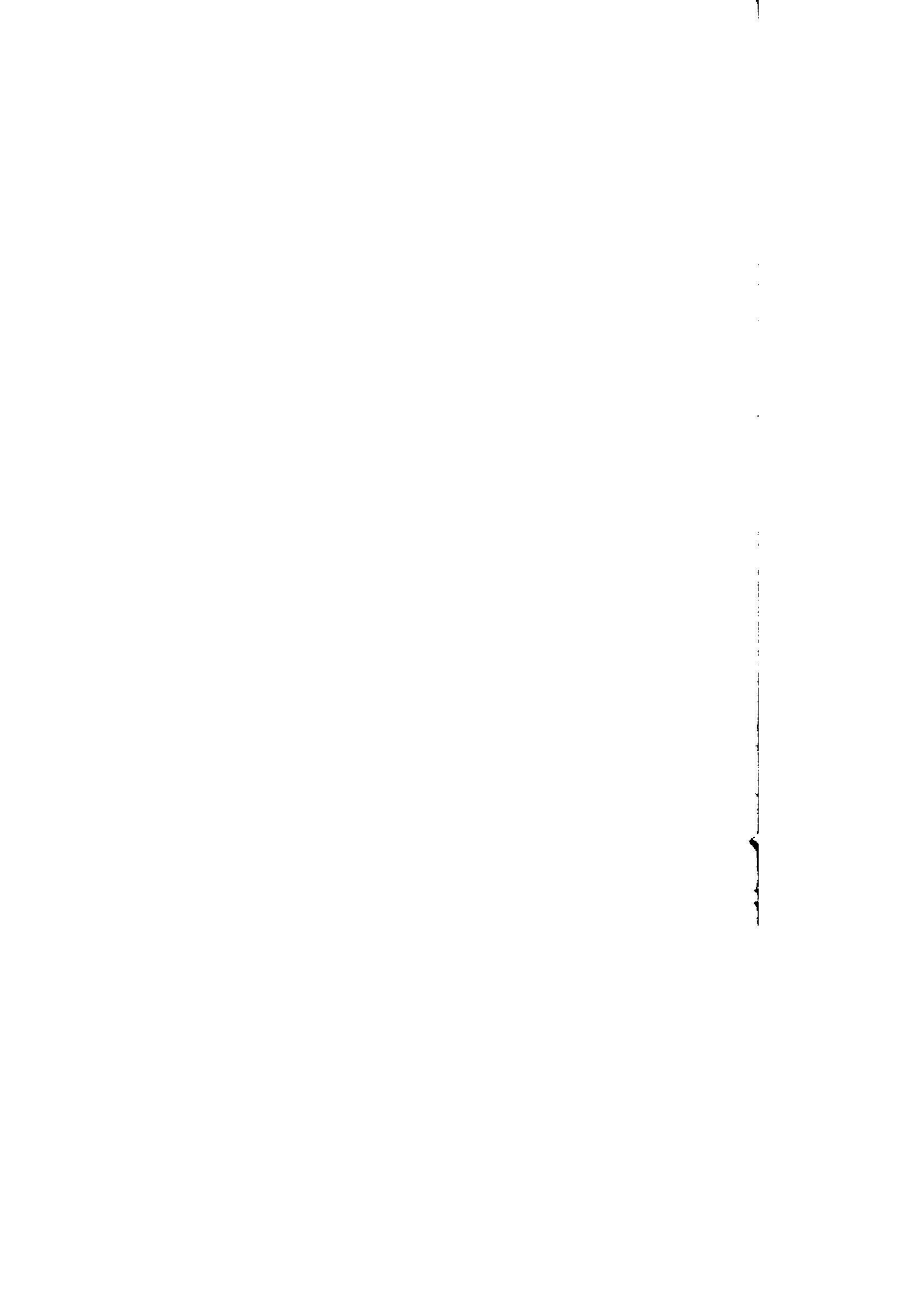


आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, रायपुर
(छ.ग.)

प्रकाशन क्रमांक.....

हिन्दी - भारतीय
वार्तालाप संक्षेपिका
वर्ष - 2015-16

आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान,
रायपुर (छ.ग.)





मंत्री

छ.ग. शासन

आदिमजाति तथा अनुसूचित जाति
विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास
विभाग रायपुर (छ.ग.)



केदार कश्यप
मंत्री

—: संदेश :—

छत्तीसगढ़ राज्य विशिष्ट जनजातीय सांस्कृतिक विविधता वाला क्षेत्र है। राज्य के जनजातियों के रीति-रिवाजों, त्यौहारों के साथ-साथ उनकी बोली भाषा एक विशिष्ट पहचान है। राज्य के बहुमुखी विकास के साथ-साथ स्थानीय जनजातीय संस्कृति को भी भावी पीढ़ी के लिये विरासत के रूप में सहेजना हमारा ध्येय एवं दायित्व है। जन सामान्य को स्थानीय जनजातीय बोली के साथ परिचय कराना, उनसे संवाद स्थापित कराना, उनकी बोली को प्रचारित-प्रसारित कराना उनके संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से अति महत्वपूर्ण प्रतीत होता है ताकि जनजातीय क्षेत्रों में पदस्थ मैदानी अमले के द्वारा राज्य शासन द्वारा संचालित विकासीय योजनाओं के प्रचार-प्रसार एवं आपसी सहयोग से सहजता से विभिन्न कार्य संपादित करने हेतु उनकी ही स्थानीय बोली में संवाद स्थापित किया जा सके।

आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, छत्तीसगढ़ द्वारा बस्तर संभाग में बोली जाने वाली भतरी बोली के संदर्भ में **“हिन्दी – भतरी वार्तालाप संक्षेपिका”** तैयार की गई है, जो निःसंदेह बोली के संरक्षण, अधिकारियों/कर्मचारियों, शिक्षाविद्, विद्यार्थियों एवं अनुसंधानकर्ताओं हेतु उपयोगी होगी। संस्थान का यह प्रयास सराहनीय है।

शुभकामनाओं सहित!

केदार कश्यप
मंत्री



संचालक

आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण
संस्थान, रायपुर (छ.ग.)

टी. राधाकृष्णन
आई.ए.एस.

प्राक्कथन

छत्तीसगढ़ राज्य हेतु भारत सरकार द्वारा 42 जनजातीय समुदाय एवं उसकी उपजातियों को संविधान के अनुच्छेद 342 के अंतर्गत सूचीबद्ध करते हुये अनुसूचित जनजाति मान्य किया गया है। भारत सरकार एवं राज्य शासन द्वारा अनुसूचित जनजातियों के विकास हेतु अनेक विकासीय योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। मैदानी अमले के रूप में अधिकारी/कर्मचारी जनजातीय क्षेत्रों में पदस्थ किये गये हैं जिनका सीधा संबंध क्षेत्र में निवासरत जनजातीय समुदायों से होता है। शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन, स्थानीय लोगों से संवाद स्थापित करने एवं योजनाओं को उनके मध्य प्रचारित-प्रसारित करने में स्थानीय बोली एक सशक्त माध्यम है। साथ ही आधुनिक शिक्षा पद्धति, शहरीकरण, अन्य संस्कृति के संपर्क आदि के प्रभाव के कारण भी जनजातियों की मूल बोली का ह्रास हो रहा है, अतः उनकी बोली को भी संरक्षित किया जाना आवश्यक है।

भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय की राज्यों में निवासरत विभिन्न जनजातीय समुदायों में प्रचलित उनकी स्थानीय बोली के संरक्षण एवं संवर्धन की मंशानुसार संस्थान द्वारा भी उनकी बोली पर आधारित वार्तालाप निर्देशिका एवं शब्दकोश तैयार किये जाने संबंधी कार्य प्रारंभ किया गया है।

उक्त तारतम्य में संस्थान की बस्तर संभाग स्थित क्षेत्रीय इकाई जगदलपुर के श्री एम.एल. पंसारी, अनुसंधान अधिकारी के मार्गदर्शन में डॉ. रूपेन्द्र कवि, अनुसंधान सहायक एवं मसू सिंह नाईक द्वारा **हिन्दी-मतरी वार्तालाप संक्षेपिका** तैयार की गई है।

मैं, आशा करता हूँ कि यह वार्तालाप संक्षेपिका मैदानी अमलों में पदस्थ शासकीय अधिकारी/कर्मचारी, शैक्षणिक संस्थाओं, विद्यार्थियों, अनुसंधानकर्ताओं आदि को स्थानीय लोगों से संवाद स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेगी।

टी. राधाकृष्णन
संचालक

Vertical line on the left side of the page.

Vertical line on the right side of the page.

विषय सूची

1.	प्रस्तावना	-
2.	सामान्य बातचीत	1-3
3.	प्रथम भेट	4-7
4.	ग्राम संबंधी चर्चा	8-11
5.	बाजार	12-15
6.	पुलिस विभाग से संबंधित	16-19
7.	राजस्व विभाग से सम्बंधित	20-23
8.	आर्थिक जीवन स्तर से संबंधित	24-29
9.	वन विभाग	30-33
10.	आबकारी	34-35
11.	स्वास्थ्य विभाग	36-37
12.	धार्मिक जन जीवन	38-40
13.	सांस्कृतिक जन जीवन	41-46
14.	शासकीय कर्मचारी से संबंधित	47-50
15.	यातायात से संबंधित	51-53
16.	पानी के साधन संबंधी।	54-55
17.	दूध संबंधी	56
18.	मुर्गीपालन संबंधी	57

—: प्रस्तावना :—

छत्तीसगढ़ राज्य का गठन पूर्ववर्ती मध्यप्रदेश राज्य को विभाजित कर 01 नवम्बर वर्ष 2000 को किया गया है। जनगणना 2011 के अनुसार छ.ग. राज्य की कुल जनसंख्या का 30.62 प्रतिशत भाग अनुसूचित जनजातियों का है। राज्य की विभिन्न अनुसूचित जनजातियां अपनी विशिष्ट लक्षणों, बोली, रीति—रिवाज एवं संस्कृति के कारण अपनी विशिष्ट पहचान प्रदर्शित करती है।

छत्तीसगढ़ राज्य हेतु 42 जनजातीय समुदायों एवं उनकी उपजातियों को भारत सरकार द्वारा अधिसूचित किया गया हैं। छत्तीसगढ़ राज्य की जनजातीय समुदाय को राज्य के भौगोलिक मानचित्र की दृष्टि से उत्तर आदिवासी सांस्कृतिक क्षेत्र, मध्य आदिवासी सांस्कृतिक क्षेत्र एवं दक्षिण आदिवासी सांस्कृतिक क्षेत्र में वर्गीकृत किया जा सकता है। प्रत्येक आदिवासी सांस्कृतिक क्षेत्र में भिन्न—भिन्न जनजातियां निवासरत है। सामान्यतः प्रत्येक जनजातियों की अपनी एक विशिष्ट बोली होती है, जिसके माध्यम से वह जनजातीय समुदाय अपने परिवार एवं समुदाय के सदस्यों के साथ दैनिक रूप से संवाद स्थापित करता हैं। चूंकि जनजातीय समाजों में बाह्यगमन की प्रवृत्ति प्रायः कम होती है तथा वे अपने परिवेश में उपलब्ध संसाधनों पर जीवनयापन करते हैं। जिससे वे बाह्य संस्कृति के आचार—विचार, भाषा—बोली आदि से भली—भांति परिचित नहीं होते हैं। जिसके कारण विभिन्न शासकीय योजनाओं, शासकीय कार्य, शैक्षणिक गतिविधियों को अपेक्षित रूप से परस्पर क्रियान्वित करने एवं स्वीकार करने की गति धीमी दिखाई पड़ती है। बहुधा क्षेत्र में पदस्थ शासकीय अधिकारियों/कर्मचारियों को उनकी भाषा/बोली का ज्ञान नहीं होता है अतएव शासकीय योजनाओं का प्रभावशाली ढंग से प्रचार—प्रसार भी नहीं हो पाता

है और न ही सतही तौर पर उनका क्रियान्वयन हो पाता है। अतः शासन का ध्येय यह भी है कि, जनजातीय समुदाय द्वारा प्राचीन काल से बोली जा रही उनकी विशिष्ट बोलियों को प्रलेखीकृत कर आगामी पीढ़ी के लिए उनका संरक्षण एवं संवर्धन करते हुए बाह्य अथवा अन्य समाजों को परिचित कराना भी है; जिससे शासकीय योजनाओं एवं क्रियाकलापों के क्रियान्वयन एवं स्वीकार्यता में वृद्धि हो सके।

पृष्ठभूमि :

डॉ ग्रियसन द्वारा छत्तीसगढ़ क्षेत्र में बोलियों के स्वरूप का आधार भौगोलिक एवं जातिगत रूप से माना गया है। खल्हाटी और सरगुजिया बोली छत्तीसगढ़ के भौगोलिक या क्षेत्रीय आधारों का रूप बताया गया है। जबकि जाति विशेष द्वारा बोली जाने वाली बोलियों जैसे – कलंगा, बिड़वारी, बैगानी बोलियों का आधार जातिगत बताया है। (डॉ कान्ति कुमार जैन, 2011 : प्रथम संस्करण 1969)

भाषाविद् डॉ सुनिति कुमार चाटुज्या, डॉ बाबूराम सक्सेना जैसे विद्वान भारत में चार भाषा परिवारों यथा आस्ट्रिक या दक्षिण या निषाद परिवार, द्रविड परिवार, इंडो-यूरोपीय अथवा आर्य एवं भोतचीन या मंगोल या किरात भाषा परिवार की बोलियों की उपस्थिति को स्वीकार करते हैं। तथा छत्तीसगढ़ राज्य के संबंध में निषाद परिवार अन्तर्गत कुर्कू, खरिया, खेरबारी और उसकी उपबोलियां (संथाली, मुंडारी, कोलाली) गदबा, शबर एवं अन्य, द्रविड परिवार अन्तर्गत कुरुख या उरांव, गोंडी और उसकी उपबोलियां, दोरली, परजी एवं अन्य तथा आर्य परिवार के अन्तर्गत भतरी और उसकी उपबोलियां, छत्तीसगढ़ी और उसकी उपबोलियां एवं अन्य भाषा एवं बोलियां विद्यमान हैं। (डॉ कान्ति कुमार जैन, 2011 : प्रथम संस्करण 1969)

भारत सरकार जनजातीय कार्यमंत्रालय द्वारा वर्ष 2014-15 हेतु संस्थान की वार्षिक कार्ययोजना को स्वीकृति प्रदान की गयी है जिसमें संस्थान द्वारा राज्य के अनुसूचित जनजातियों की भाषा-बोली के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से वार्तालाप निर्देशिका, व्याकरण एवं शब्दकोश तैयार किये जाने का कार्य सम्मिलित किया गया है। जिसके तारतम्य में छ.ग. राज्य के दक्षिण आदिवासी सांस्कृतिक क्षेत्र की प्रमुख अनुसूचित जनजाति भतरा द्वारा बोली जाने वाली भतरी बोली के संदर्भ में हिन्दी-भतरी वार्तालाप संक्षेपिका तैयार किये जाने का कार्य संस्थान की क्षेत्रीय ईकाई जगदलपुर (बस्तर) द्वारा किया गया है।

भतरा जनजाति छत्तीसगढ़ राज्य के बस्तर जिले में पायी जाती है। भारत की जनगणना 2011 अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य में भतरा अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या 2,13,900 है। भतरा जनजाति के पूर्वज बस्तर के राजा के पास सेवक के रूप में कार्य करते थे। राजा की पहरेदारी एवं घरेलु काम-काज में राजा के काफी विश्वास पात्र हुये करते थे। जिससे इन्हे राज महल में भतरी भी कहा जाता था। जो कालान्तर में भतरा कहलाये। बस्तर व दण्डकारण्य क्षेत्र में आदिकाल से इनका निवास रहा है। पीत भतरा, अमनीत भतरा एवं सान भतरा इस जनजाति की उप जातियां हैं। जिनमें पीत भतरा स्वयं को समाजिक स्तरीकरण में अन्य उप जातियों की तुलना में उच्च मानते हैं। इनके गोत्र या गोत्रनाम कश्यप, मोहरे, बघेल, नाग एवं कोरमी आदि हैं इनके गोत्र टोटेमिक होते हैं। भतरा जनजाति के प्रमुख देवी/देवता ठाकुर देव, बुड़ा बाबा, परदेसिन माता, दन्तेश्वरी, बुढ़ी माई आदि हैं।

करमा, गौरा गीत, रहस आदि इनकी लोक कलाएं प्रचलित है। भतरा जनजाति इण्डो-आर्यन भाषा परिवार की भतरी बोली बोलते है। डॉ कांति कुमार की कृति छत्तीसगढ़ी बोली व्याकरण और कोश के अनुसार भतरी बस्तर के भतरा लोगों की बोली है भतरी का क्षेत्र विस्तार जगदलपुर तहसील के पूर्वोत्तर में है। भतरी पर एक ओर हल्बी का प्रभाव है और दूसरी ओर उड़िया का । डॉ ग्रियर्सन ने भतरी को उड़िया की यर्थात् विशुद्ध बोली माना है। भतरी की उपबोलिया कुनबुचिया, बुचिया अथवा मुचिया कहलाती है। जो उड़ीसा के सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रायः बोली जाती है।

उपरोक्त दृष्टिगत आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा दक्षिण आदिवासी सांस्कृतिक क्षेत्र की अनुसूचित जनजाति भतरा द्वारा बोली जाने वाली भतरी बोली के संदर्भ में हिन्दी-भतरी वार्तालाप संक्षेपिका तैयार की गयी है।

वातलाप संक्षेपिका

आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, क्षेत्रीय इकाई बस्तर संभाग जमदलेपुर (छ.ग.)



सामान्य बातचीत

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
1.	तुम्हारा नाम क्या है ?	तोर काय नाव आय ?
2.	मेरा नाम रामचन्द्र है।	मोर नाव रामचंद्र आय।
3.	तुम्हारे पिताजी का क्या नाम है?	तोर बाबा र काय नाव आय ?
4.	मेरे पिताजी का नाम जोगैया है।	मोर बाबा र नाव जोगैया आय।
5.	तुम्हारी जाति क्या है ?	तोर काय जात आय ?
6.	मेरी जाति दोरला है।	मोर जात दोरला आय।
7.	तुम्हारा गोत्र क्या है ?	तोर काय बंस आय ?
8.	मेरा गोत्र बाघ गोत्र है।	मोर बाघ बंस आय।
9.	आप कौन से गाँव में रहते हैं ?	तोमी कोन गांये रऊआआस ?
10.	मैं दोरनापाल में रहता हूँ।	मुई दोरनापाली ने रऊआंय।
11.	तुम्हारी उम्र कितनी है ?	तोर कतक उमर होयला ?
12.	मेरी उम्र 32 वर्ष है।	मोर उमर 32 बरख होयला।
13.	कौन सा धंधा करते हो ?	काय बूता करूआस।
14.	मैं खेती कार्य करता हूँ।	मुई खेती बाड़ी करूआंय।
15.	और कोई अन्य धंधा नहीं करते ?	आऊर कांई बूता न करूआस ?
16.	मैं अन्य धंधा नहीं करता।	मुई आवरी धन्धा पानी ना करी।
17.	क्या! उस धंधे से गुजर हो जाता है ?	काय हांय धन्धा ले जीवना चलूआये ?
18.	हाँ खेती से गुजर हो जाती है।	होय खेती बाड़ी ले जीवना चलसी।
19.	तुम कुछ पढ़े लिखे हो ?	तुमी पढ़ा लिखा आआस ?

"भतरी" बोली में वार्तालाप

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
20.	कहाँ तक पढे हो ?	कौन कलास पढ़ला आस ?
21.	दस्तखत कर लेते हो ?	दसखत करके सकुआस ?
22.	शादी - शुदा हो ?	विवाह - बोरो होयला ?
23.	हाँ, मै शादी - शुदा हूँ।	हव बिहा होयला।
24.	पत्नी पास में है ?	बायले लगे तो अचो काय ?
25.	हाँ/नहीं, दूसरे के घर चली गई।	हव/नाई दूसरा घरे गला।
26.	कितने बच्चे है ?	कतक पिला झिला आचेत ?
27.	बच्चे किसके पास हैं ?	पिला झिला कार संगे आचोत ?
28.	क्या तुम फिर शादी करोगे ?	काय तुई दूसर बिहा करबीस ?
29.	मुझे तुम से बात करना है।	मोके तोर संगे गोठायबार आचेत।
30.	फुरसत तो है न ?	फाबला आचे काय ?
31.	तुमने उसे कहीं देखा था ?	तुई हांके कोन लग दखिरईस ?
32.	बाजार में देखा था।	हाटे दखली।
33.	बाजार में क्या कर रहा था ?	हाटे काय करते रए ?
34.	कुछ सामान खरीद रहा था।	काई समान घनते रये।
35.	वह आने के लिए तैयार था ?	आयबा काचे तियार रये।
36.	हाँ	हव
37.	तो फिर वह कहीं गया ?	तेबे फेर हंय कोन बाटे गला ?
38.	पता नहीं, आ तो रहा था।	ना जाने, आयेते रए।
39.	तुम कब आए ?	तुई केबे आयलिस ?
40.	मै अभी पहुँचा हूँ।	मुई ऐबे आयली आचे।
41.	वे लोग कब तक आ जायेंगे ?	हाय मन केबे के आयबाय।

“भतरी” बोली में वार्तालाप

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
42.	कह नहीं सकता।	सांगके ना संकी।
43.	तुम लोग दौड़ते आए हो	तोमी परायते आयलास।
44.	सायकल से आए है ?	साईकिल ने आयलू आचुं ?
45.	वे किससे आ रहे है ?	हांय मन काय थाने आयबाआत ?
46.	पैदल आ रहे हैं।	हिंडते आयबाआत।
47.	तुम लोगों ने वहाँ क्या देखा ?	तमीमन हंय थाने काय दखलास।
48.	वहाँ पर कौन-कौन रहे ?	हांय थाने कोन-कोन रएत ?
49.	उस समय वहाँ बहुत आदमी थे।	अडकीदंय हांयती खुबे मनुकमन रएत।
50.	वे सब क्या कर रहे थे ?	हांय साबु काय करते रएत।
51.	आपस में लड़ रहे थे।	जगड़ा होयते रएत।
52.	एक-एक आदमी बात करो।	एकला-एकला मनुक मन गोठाआ।
53.	मेरा नाम बता देना।	मोर नाव सांगिदेस।
54.	उस गाँव का रास्ता बताओ।	हांय गाँवर बाट सांगिदेस।
55.	सुर्यास्त से पहले आ जाना।	बेर बसबा ले पहिले लेवट।
56.	पश्चिम की ओर सीधा जाइए।	बेर बुड़ती बाटे सोजे जाआ।
57.	पीपल के पेड़ के पास दो रास्ते हैं।	पिकड़ गछ लगे दुई गोटा बाट आवे।
58.	बायें तरफ के रास्ते से आगे बढ़ जाइए।	बुझनी बाटे आऊरी जाआ।
59.	दायें तरफ के रास्ते को छोड़ दीजिए।	डेबरी बाट के छाड़ी दियास।
60.	तीन किलो मीटर चलने पर गाँव में पहुँच जाएंगे।	तीन कि.मी. गले गाँव के खेटबू।
61.	वहाँ नारायण को पूछ लीजिएगा।	हांयती नारायण के पचारा।
62.	वह आपकी पूरी सहायता करेगा।	हांय तोमर सबू सहायता करसी।

प्रथम भेट

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
1.	राम राम ठाकुर, राम राम।	राम राम हो ठाकुर राम-राम
2.	जयराम जी की सब लोगों को।	जयराम हो सबुके।
3.	परिवार में सभी कुशल तो है ?	घर ने सबु नुको आचोत ?
4.	कहिए ! कैसे दर्शन दिए ?	कसन आयके होयला ?
5.	आप लोगों के दर्शन करने चला आया।	तोमके दखके आयली आचे।
6.	आप कब आए ?	तमी केबे आयलास ?
7.	आज ही अभी आया।	आजी चे, एबे चे आयली।
8.	कहाँ से आ रहें है ?	कोई ले आयवाआस ?
9.	मैं कौटा से आ रहा हूँ।	मुई कौटा ले आयबी आचे।
10.	आइए, बैठिए।	आसा, बसा।
11.	खाट पर बैठिये।	खटिया थाने बसा।
12.	लीजिए बिड़ी पीजिए।	धरा बीड़ी पिया।
13.	मैं बीड़ी नहीं पीता	मुई बीड़ी ना पियी।
14.	कहिए कोई काम है क्या ?	आले काई काम आचे काय।
15.	कोटवार को जरा बुलवा दीजिए।	कोटवार के डंडक हागदियास।
16.	और कोई काम ?	आवरी काई काम आचे काय ?
17.	सरपंच को भी बुला दीजिए।	सरपच के आग दियास।
18.	आइए-आइए, बैठिए।	आसा-आसा, बसा।
19.	भाई! हमे आप लोगों से थोड़ा काम है।	दादा! आमके तोमर ले काम आचे।
20.	कहिए, कहिए।	बला-बला।
21.	आप लोगों से कुछ जानना चाहता हूँ।	तमर ले कार्यी जानवार आचे।

“भतरी” बोली में घर्तालाप

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
22.	पूछिए।	पचारा।
23.	मुझे खेती बाड़ी के विषय में बताइए।	मोके खेती-बाड़ी रा बारे ने सांगा।
24.	क्या आप मुझे आपकी बोली सिखाएंगे।	कांय तोमी मोके तोमर गोठ के सिखायबास।
25.	आम को अपकी बोली में क्या कहते है।	आमा के तमर बोली ने काय बलुआत।
26.	आप क्या कहेंगे इसको ?	तमी काय बलबास एके।
27.	जरा दोहराइए।	खिंडिक आवरी बला।
28.	आपको कोई परेशानी तो नहीं होगी ?	तोमके कोनी दूख तो निआय।
29.	यह तो बड़ा सरल काम है।	ऐ तो निको काम है।
30.	अरे, आज तो बड़ी जल्दी आ गए।	आय, आजी झपके आयलास।
31.	हाँ.... कल का काम रूका है।	हव.... कालीर काम बाचला आचे।
32.	जो काम कल बताया गया था, वहा हो गया।	जांय बूता काली सांगलार ररे, हाय होयला।
33.	क्यों ? काम क्यों नहीं हो पाया ?	काय ? काय कजे बूता ना होयला ?
34.	रात को सिर में थोड़ा दर्द था।	राती मुंडे खिंडिक दुखा ररे।
35.	अब तबियत कैसी है ?	ऐबर देह पाये कसन आचे।
36.	अब ठीक हूँ।	ऐबर नुको आचे।
37.	यदि तकलीफ हो तो बताइए।	कांयी दुख आचे आले सांगा।
38.	नहीं सब ठीक है।	नाई, सबु नुको आचे।
39.	यह तो आसान काम है।	ऐ तो निमान बुता आय।
40.	आप चिन्ता न करें।	तोमी चिन्ता ना कर।

“भतरी” बोली में वार्तालाप

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
41.	मैं काम कर दूंगा।	मुई बुता करी देबी।
42.	काम हो जाएगा।	बुता होयी जायसी।
43.	काम करवा दूंगा।	बुता कराय देबी।
44.	अच्छा, आप आराम कीजिए।	तोमी डंडक सुसताया।
45.	तो आप जा रहे हे।	तोमी जिबा आस।
46.	हाँ मैं जा रहा हूँ।	हव, मुई जिबी जाची।
47.	फिर कब मुलाकात होगी।	आऊरी केबे दखा दखी होयबु
48.	कल सबेरे।	काली सकरिया।
49.	आइए मुखिया जी आइए।	आसा सियान आसा।
50.	मैंने आप को बुलाया था।	मुई तमके हागदेई रई।
51.	कोई खास काम ?	कोनी निको बूता ?
52.	नहीं भाई मुलाकात करने के लिए।	नाई बाई मिलबाकचे।
53.	आप कुछ कमजोर दिखाई देते है।	तोमी खिनिक लिगड़ दखा देबाआस।
54.	हाँ....	हव....
55.	तबियत तो ठीक है ?	तोमी तो नुको आचास ?
56.	नहीं, तबियत ठीक नहीं है।	नाई, नुको नीआय।
57.	क्यों ! क्या बात है ?	कसन ! काय गोठ आय।
58.	कल रात को बुखार आ गया था।	काली राती जर चेंगाय रए।
59.	कौन सी दवाई ली ?	काय ओसो धरलास।
60.	कोई दवाई नहीं ली।	काई ओसो ना धरीं।
61.	किसी वैद्य या डॉक्टर को दिखाया?	कोनी बईद नोयाले डॉक्टर के दखायलास काय?

“भतरी” बोली में वार्तालाप

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
62.	नही दिखाया! बैगा के पास झाड फुँक कराऊँगा।	ना दखाई! नाई सिराहा लगे झाड फुँक कराईबी।
63.	मेरी बात मानिए, डाक्टर को दिखाइए और दवाई लीजिए।	मोर गोठ के धर, डॉक्टर के दखाव आऊरी ओसो खाआ।
64.	लगता है, मुझे नजर लग गई है।	लागसी आचे, मोके नजर लागलाचे।
65.	सोनू की फुँक से आराम हो जाएगा।	सोनू फुकले आराम होयसी।
66.	आखिर आपको हुआ क्या है ?	मानतर तोम के काय होयला आचे।
67.	कपकॅपी देकर जोरों का बुखार आता है।	थर-थराय करी जर आऊआये।
68.	अच्छा। यह तो मलेरिया ज्वर है।	नुको ! ये तो मलेरिया जर आय।
69.	डॉक्टर को दिखाइए और दवाई लीजिए	डाक्टर के दखाआ आऊरी ओसो खाआ।
70.	क्या! मैं स्वस्थ हो जाऊँगा?	काय ! मुई नुको होयबी।
71.	बिल्कुल, आप स्वस्थ हो जाएंगे।	होय, तमी नुको हायेबास।
72.	यह बीमारी मच्छड़ से होती है।	ऐ जर मचर / गुंडी होऊआय।
73.	अच्छा। मच्छड़ तो मेरे घर के पास है।	हव! मोर घर लगे तो गुंडी/मचर आचोत।
74.	रात को काटे भी होंगे।	राती के चाबलाय होयसी।
75.	हाँ, रात में मच्छड़ काटते होंगे	हव, राती के गुंडी चाबके सकेत होयसी।
76.	आपके घर के सामने पानी के गड्ढे भी होंगे	तोमर घर छमे पानी डोबरा आचे होयसी।
77.	वाह। आप तो सभी बातें जानते हैं।	हव! तोमी तो सबु गोठके जानास।

ग्राम संबंधी चर्चा

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
1.	यह कौन सा गाँव है	ये कोन गाँव आय ?
2.	क्या ! बुहत बड़ा गाँव है ?	काय ! बड़े भारी गाँव आय ?
3.	कितने घर का गाँव है?	गाँव ने कतक घर आचे।
4.	यहां के मुखिया कौन है ?	गाँवर मुखिया कोन आय।
5.	यहाँ की जनसंख्या कितनी है ?	इतिर आबादी कतक आचे।
6.	कितने पुरुष, कितनी महिलाएँ तथा कितने बच्चे हैं ?	कतक मनुक, कतक बायले आऊरी कतक पिला झिला आचोत।
7.	किस किस जाति के लोग इस गाँव में हैं?	ऐ गाँव ने काय-काय जाति र लोग आचोत?
8.	कितने घर धुरवा, मुरिया, दोरला तथा अन्य जाति के हैं।	कतक घर धुरवा, मुरिया, दोरला आऊरी दूसर जाति र आचोत।
9.	यहाँ के लोगो का मुख्य धंधा क्या है?	ऐतिर लोग र बुता काय आय?
10.	खेती का कार्य और कौन सा कार्य करते हैं?	बेड़ा खाड़ा आऊरी काय बुता करुआत?
11.	गाँव के मवेशी कौन चराता है?	गाँव र जनाबार के कोन चराऊआय।
12.	गाँव के लोगो का बाल(केश) कौन काटता है?	गाँव र मनुक मन र बा कोन काटुआय?
13.	गाँव के लोगो में लोहे का काम कौन करता है	गाँव र मनुक मन ने कोन लोहो र बुता करुआय।
14.	गाँव के लोगो के लिए जूते कौन बनाता है।	गाँव र मनुक मन काजे कोन पनीही बनाऊआय।

“भतरी” बोली में वार्तालाप

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
15.	यहा गाँव किस थाने में आता है ?	ये गाँव कोन थाना ने आऊआय।
16.	यह गाँव किस विकास खंड में है ?	एतिर गांव कोन विकास खंड (बुलाक) ने आऊआय।
17.	और किस तहसील में पड़ता है।	आऊरी कोन तहसील ने पड़ुआय।
18.	इस गाँव का डाकघर कहाँ है।	ऐ गाँव र पोस्टआफिस/डाकघर कोन थाने आचे।
19.	डाकघर कितनी दूर है ?	पोस्टआफिस कतक दूर आचे ?
20.	गाँव में कोई स्कूल है या नहीं ?	गाँव ने सकूल आचे कि नई ?
21.	कब से खुला है। कितने शिक्षक है ?	बेबले शुरु होयला! कतक गुरुजी आचेता ?
22.	कितने बच्चे पढ़ने आते है ?	कतक पिला झिला पढ़के आऊआत ?
23.	शाला भवन किसने बनवाया था ?	सकुल घर कोन बनाय रहे ?
24.	गाँव में सोसायटी है या नहीं ?	गाँव ने सोसायटी आचे की नाई ?
25.	क्या-क्या मिलते है वहाँ ?	काय-काय मिलूआय हांयती ?
26.	आप लोग कहाँ से सामान खरीदते है ?	तोमी मन कोनती ले समान घरूआआस ?
27.	बाजार से।	हाट ले।
28.	बाजार इसी गाँव में भरता है ?	हाट एई गाँव ने बसूआय ?
29.	बाजार यहाँ से कितनी दूर है ?	हाट इती ले कतक दूरीया आचे ?
30.	ग्राम पंचायत है या नहीं ?	ग्राम पंचायत आचे की नाई ?
31.	ग्राम पंचायत भवन है या नहीं ?	ग्राम पंचायत कुड़िया आचे कि नाई ?
32.	ग्राम पंचायत में कितने पंच है ?	ऐ पचायत ने कतक पच आचोत ?

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
33.	यहां कौन-कौन से देव स्थान है?	इती कोन-कोन देवी ठान आचे?
34.	गांव में शिव जी है या नहीं?	ऐ गाँव ने शिव मंदिर आचे कि नाई?
35.	नहीं है।	निआय।
36.	बाहर से आने वाले को कहां ठहराते है?	भिने गाँव ले आयला सगा के कोन थाने थेबुआआस?
37.	चलो, वहाँ ले चलो ?	जो! हाई थाने ने ?
38.	आप लोग नाचत कहां हो ?	तोमी कोन थाने नाचु आआस?
39.	क्या। नाचने का मैदान अल न ही है?	कार्य नाच बाजगा आपरी आचे?
40.	उसकी सफाई कौन करता है?	हांतार सफीई कोन करुआये?
41.	गाँव में भट्टी तो होगी?	गाँव ने भाटी तो आचे होयसी?
42.	नहीं / हॉ।	नाई / हव!
43.	दारु खरीदने कहां जाते हो?	मंद खायके कान थाने चाने जाऊआआस।
44.	यहों के लोग पानी कहां से लाते है?	ये गाँवर मनुक पानी कोन थानर पिऊआत।
45.	आसपास कोई नदी नहीं है?	ऐ लगे कोनी नदी सो नियाम।
46.	नदी कितनी चौड़ी है?	नदी कथक ओसार आचे।
47.	उसमें कितना पानी है?	हांयती कतक पानी आचे?
48.	गर्मी में सूखती तो नहीं है	जेठ ने सुखु तो नुआये।
49.	तालाब, कुएं साल भर पानी देते है न?	तरीई, चुआ बरखभर पानी देऊआय।
50.	गाँव से जंगल कितनी दूर है?	ऐ गाँव ले झार कतक दूरीया ने आचे?

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
51.	यह तो कोई दूर नहीं?	ये तो कोई दूरीया निआय?
52.	जंगल से तो आसानी से चीज लाईजा सकती है?	झार ले तो सरसरा काई जिनीसआनके होऊआय?
53.	इस गाँव में कितने टोले (मोहल्ले) है?	ऐ गाव ने कतक पारा आचे?
54.	पास वाले गाँव का नाम क्या है?	छमर गांव र काय नांव आय?
55.	वहाँ जाने का रास्ता कैसा है?	हांयती जिबार बाट कमता आचे?
56.	मोटर जा सकती है?	मोटल जाऊआय काय?
57.	क्या, बीच में कोई जंगल है?	काय, मंजी कोनी झार आचे?
58.	क्या, बीच में कोई नाला है?	काय, मंजी कोनी नला आचे
59.	क्या, बीच में कोई पहाड़ है?	काय, मंजी कोनी डोगरी आचे?
60.	क्या, बीच में कोई खतरा है?	काय, मंजी कोनी डर आचे?
61.	क्या, बीच में कोई बस्ती है?	काय, मंजी कोनी गांव बरनी आचे?
62.	वहाँ लड़ाई-झगड़ा क्यों होता है?	हांयती झगड़ा लड़ाई काय कचे होऊआय?
63.	आपस में मुकदमें भी चलते हैं क्या?	आपसी ने नियांव दाव बले चलुआय काय?

बाजार

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
1.	यहाँ से बाजार कितनी दूर है?	इति ले हाट कतक दूरीयाँ आचे।
2.	किस गाँव में है?	कोन गाँव ने आचे।
3.	बाजार किस दिन भरता है?	कोन दिने हाट बसू आय।
4.	बुधवार को।	बुधवार के।
5.	बाजार कैसे जाते हो?	हाट कोनता जाऊआस
6.	पैदल, बैलगाड़ी या सायकल से?	हिडीकेरी बैलगाड़ी ने नोयले साइकल ने।
7.	महीने में कितनी बार बाजार जाते हो?	महिना ने कतक दिन हाट बसुआय।
8.	हर बाजार को।	सब हाटे।
9.	बरसात में बाजार जाते हो कि नहीं?	बरसा पानी दिने हाट जाऊआआस कि नाई।
10.	महीने में दो बार जाते हो?	महिना ने दूई हार जाऊआस।
11.	तीन बार क्यों नहीं जाते?	तीन हार काय काजे न जाआस।
12.	तीन चार बार भी जाते हैं?	तीन चार हार बल्ले जाऊआंव।
13.	परिवार के सभी लोग बाजार जाते हैं?	परिवार रा सबू लोग हाट जाऊआव।
14.	हाँ बच्चों को भी ले जाते हैं?	हव पिला मन के बल्ले नेऊआंव।
15.	बाजार से क्या क्या खरीदते हो?	हाट ले काय-काय घेनु आआस।
16.	नमक घासलेट, कपड़ा आदि।	नोन, माटी तेल फटीई अमता।
17.	और बेचते क्या-क्या हो?	आऊरी काय-काय बिकू आआस।
18.	लाख, चिरौंजी, शहद, मुर्गी, साग भाजी आदि।	लाख, चारबिचा, मदरस, कुकड़ी, साग भाजी अमता।

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
19.	और टोकरी आदि।	आऊरी दूकनी अमता।
20.	खरीदने के लिये नगगद पैसे लेकर जाते हो?	घेनबा काचे रोखे पैसा घरीकरी जाऊआस।
21.	हमारे साथ बाजार चलोगे?	आमर संगे हाट आऊआआस।
22.	चलिए।	जूँ।
23.	आप कैसे चलेंगे?	तोमी कमता आऊआस।
24.	जैसे तुम जाओगे वैसे हम जाएंगे।	जमता तोमी जाऊआस अमती आमी जिबू।
25.	चलो आज बाजार चलेंगे।	जूँ आजी हाट जिबू।
26.	हम तो पैदल जाएंगे।	आमी तो हिण्डते जाऊआंव।
27.	तुम साथ में क्या-क्या रख रहे हो?	तोमी संगे काय-काय थोऊआआस।
28.	कितने वक्त चलोगे?	कतक बेरा आऊआआस।
29.	थोड़ा सा शहद, चिरोँजी अनाज और एक मुर्गी	खिंडीक अमता मदरस, चारबिचा, चाऊर आऊरी गोटोक कुकड़ी।
30.	फिर वापस कब तक आ पाएंगे?	फेर लेऊटी करी केबे आयके सकबू।
31.	बाजार में कहाँ ठहरोगे?	हाटे कोन थाने थेबूआआस।
32.	यह किसकी दूकान है?	ये कार दुकान आय।
33.	रामलाल सेठ की।	रामलाल सेठ रा।
34.	क्या। तुम हमेशा यही से सामान खरीदते हो?	काय। तुई सबूदांय ई थान ले समान घेनूआआस।

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
35	कोई पक्का नहीं।	काई पक्का नुआये।
36	क्या तुमको यह उधार देता है?	काय तोमके ये उधारी देऊआय।
37	क्या तुम इसको बचेते हो?	काय तुई एके बिकु आआस।
38	चलो जरा बाजार घूम लें।	जूँ खिंडीक हाटे बूलूं।
39	क्यों। यह क्या कहलाता है?	काय। ये ऐके काय बलुआय।
40	इसका दाम क्या है?	ए कतक मोल आय।
41	यह तो मँहगा है?	ए तो महरग आय।
42	कम कीमत लगाओ न।	खिंडीक कम मोल ने देस।
43	कितने पैसे दे दूँ?	कतक रूपया देबी?
44	ले जाओ, जो कुछ लेना हो, पैसा बाद में दे देना	ने, जाये बल्ले नुओआस, पैसा पाघे देई देस।
45	मैं अपने गाँव के पटेल से पूछूंगा	मुई आपना गाँवर पटेल के पूछबी।
46	चीजा अच्छी है?	अच्छा जीनिस आय?
47	खराब निकले तो वापस कर देना।	खरापा निकरले तो लेऊटय देस।
48	इसे अपनी ही दुकान समझो।	एके आपना चे दुकान समझ।
49	अच्छा। दो रूपये उधार कर लो।	आले। दुई रूपया उधार रओ।
50	क्यों। बैसाखू बिड़ी पिया?	कमता। बैसाखू बिड़ी पिईला?
51	क्यों। बिड़ी नहीं पीते?	काये काजे बिड़ी ना पिइस?
52	गाँव के दूसरे लोग सामान कहाँ से खरीदते हैं?	गांव र दूसर मनु समान कोनती ले घेनुआत?
53	उन्हें भी इसी दुकान पर आने को कहो?	हाय मन के बले ई दुकाने थाने आयेबा काजे बल?

“भतरी” बोली में वार्तालाप

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
54.	दुकानदार पर विश्वास करो।	दुकानदार के बिसवास करा।
55.	साबुन कहाँ मिलेगा?	साबुंद कोनती मिरसी?
56.	सब्जी-भाजी मिलेगी?	साग-भाजी मिरसी काय?
57.	नहीं / हों।	नाई / हव।
58.	तो चलो वापस चले।	आले जूँ लेऊवटू।
59.	इस बोतल में क्या लिखा है।	ए बोतल ने काय धरलियास?
60.	इस बोतल में दारू है।	ए बोतल ने मंद धरली आचीं।
61.	कैसा रहा आज का दिन।	कमता रहे आजी र दिन।

पुलिस विभाग से संबंधित

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
1.	कोटवार तुम लोगो की शिकायत करता है, क्या बात है?	कतवाल तमर मनर खुद खायसी आचे काय गोठआय?
2.	उसकी बात क्यों नहीं मानते?	हतार गोठ के काय काजे ना मानेत?
3.	इस गाँव में आदमी का कत्ल हो गया है।	ऐ गांव ने मनुक के पुजलाआत।
4.	उसका कत्ल किसने किया?	हांके कोन पुजला?
5.	हमें नहीं मालूम।	आमके ना मालूम।
6.	किससे दुश्मनी थी?	कहारी संगे कायरी रए काय?
7.	कभी किसी के साथ लड़ाई तो हुई होगी।	केबीई काहारी संगे झगड़ा-दांद होई रयसी।
8.	अच्छा ! अच्छा समझ गया।	हव ! बूझली।
9.	रामलाल से किस बात पर लड़ाई हुई थी	रामलाल संगे कोन गोठ ने झगड़ा होई रए।
10.	क्यों, रामलाल तुमने कालू का कत्ल किया हे?	कसन, रामलाल तुई कालू के पुजलीस?
11.	किस हथियार से?	काय हतियार संगे?
12.	हथियार हमारे पास लाओ,	हतियार के आमर लगे आन।
13.	झूठ क्यों बोलता है?	फंदी गोठ काय कचे बलबिआस?
14.	सच सच बता दो, नहीं तो पकड़कर थाना ले आऊंगा।	सते-सते सांगी देस, नोयले धरी करी थानाये नेबी
15.	तेरे साथी कौन कौन थे।	तोर सगे कोन कोन रएत।

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
16.	सबको बुलाकर मेरे सामने हाजिर करो।	सबुके हागदेईकरी मोर छमे आन
17.	चोरी किस की हुई है?	चोरी कार होयला आचे?
18.	क्या-क्या चीज चोरी गई है, प्रत्येक चीज गिनाओ?	काय-काय समान चोरलिआस सबुके आन?
19.	चोरी कब और कितने समय हुई?	चोरी कड़दाय होयला?
20.	उस समय तुम कहाँ थे?	हांयी समय ने तुई कोन लगे रईस?
21.	तुम्हे किस पर शक है?	तोके कार ऊपरे सक आचे?
22.	रमैया पर।	रामैय बीता ऊपरे आचे।
23.	उसको बुलाओ।	हांके हागदियास।
24.	क्यों रे तूने चोरी क्यों की?	कसन रे तुई चोरी काय काजे करलीस?
25.	चोरी का माल कहाँ है?	चोरी र समान कोन लगे आचे?
26.	साफ-साफ बता दो	सते-सते सांगी देस।
27.	किसको सॉप ने काटा है?	काके सॉप चाबला आचे?
28.	क्या। वह मर गया?	काय। हाय मरी गला?
29.	उसे कहाँ गाड़ा गया है?	हांके कोन लगे माटी देलास?
30.	और कोई बात तो नहीं है?	आऊर कोई गोठ तो निआय?
31.	यह किसने फाँसी लगायी है?	ये कोन आय फांसी लगायला आचे?
32.	क्या। किसी से घर में लड़ाई हुई थी।	काय। कहारी घरे झड़ा होई रए।
33.	शेर ने किसको घायल किया है?	बाद्य कोके लाफड़ला?
34.	कब की बात है?	केबर गोठ आय?
35.	थाने में रिपोर्ट क्यों नहीं की?	थाना ने रपट काय काजे ना करलास?

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
36.	उस गाँव में सजा पाने वाले लोग कितने है?	हाय गाँव ने सजा-आपत पायला लोग कतक आचेत।
37.	बुलाओ। उन लोगो को।	हागदियास। हाई मन के।
38.	कोटवार, अपनी किताबे हाजिर करो।	कातवाल, तुई तोर हजरी किताब आन।
39.	इस गाँव में शराब कौन कौन बनाते है?	ऐ गांव ने मंद कोन कोन बनाउआत?
40.	कौन कौन बेचते हे?	कोन-कोन बिकुआत?
41.	उन सभी लोगो को बुलाओ।	हाय सबुझान के हागदियास।
42.	क्यों तुम लोग शराब बनाते हो?	काय तमीमन मंद रांदुआआस?
43.	हाँ साहब।	हव साहब।
44.	शराब बेचते हो?	मंद बिकुआस?
45.	नहीं साहब, हम लोग शराब नहीं बेचते।	नाई साहब मंद ना बिकु।
46.	कोटवार बता रहा है, कि इतवार को बहुत से लोग तुम्हारे घर में शराब पी रहे थे।	कोतवाल सांगते रए रएबार दिने खबे लाक तोमर घरे मंद खायते रओत।
47.	हाँ साहब, वे सब मेहमान थे, मेरी बेटी सीतम्मा को देखने आए थे।	हव साहाब सबु सगा लोग रएत, मोर बेटी सीतम्मा के दखके आईरएत।
48.	मैंने सुना है कि कल चार बोतल शराब सुक्कू को बेचा था।	मई सुनी रई काली चार बोतल मंद सुक्कू के बिकलिस।

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
49.	नहीं साबह! कल उनके यहा आ गए थे—बिरादरी मे मेहमान का स्वागत तो करना पड़ेगा।	नई साहाब! काली हांतर घरे आई रलाए—सगा मन।
50.	अच्छा—ठीक है, ऐसी शिकायत नहीं आनी चाहिए।	हव—नुको आये, असन शिकायत न आयबार आचे।

राजस्व विभाग से सम्बंधित

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
1.	इस गाँव का मुखिया कौन है। जरा उसको बुलाओ	ऐ गांव र मुखिया कोन आय। इडक हांके हागदियास।
2.	यहां का पटवारी कौन है?	ऐतीर पटवारी कोन आय?
3.	पटवारी कहाँ रहता है?	पटवारी कोन थाने रऊआय?
4.	कोटवार को बुलाओ।	कतवाल के हागदियास।
5.	कोटवार! तुम अपनी किताब ले आओ।	कतवाल! तुई आपना हजरी किताब के आन।
6.	पटवारी जी यहां की जनसंख्या कितनी है?	पटवारी साहेब ऐतीर आबादी कतक आचे?
7.	इस गांव का रकबा कितना है?	ऐ गांवर रकबा कतक आचे?
8.	कितनी कास्त जमीन है?	कतक कमायबा भुईं आचे?
9.	कितनी पड़ती जमीन है?	कतक पड़िया भुईं आचे?
10.	कितनी जमीन चारागाह है?	कतक भुईं जानावर चरबा टा आये?
11.	कितनी वन भूमि है?	कतक जंगल भुईं आचे?
12.	कितनी श्मशान भूमि है?	कतक भुईं मरघट कचे आचे?
13.	गाँव में कितने किसान है?	गांव ने कतक किसान आचोत?
14.	भूमिहीन कितने लोग है?	भुईं ना रला बीता कतक आचोत?
15.	क्या उन्हें मजदूरी मिलती है?	काय हांय बुता मिरु आय?
16.	इस गाँव के अलावा दूसरे गाँव में मजदूरी मिलती है?	ये गांव के छाड़ी दूसर गांव ने बुता मिरुआय?
17.	क्या सरकारी मजदूरी भी करते हैं?	काय सरकारी बुता/भूती बले करुआआस?

“भतरी” बोली में वार्तालाप

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
18.	खेतों में कितने कुएँ हैं?	बेड़ा ने कतक चुआ आचे?
19.	क्या कुओं से सिंचाई होती है।	काय चुआ ले पानी छिचुआआस।
20.	खेतों में सब्जी उगाते है?	बेड़ा ने साग रोपुआत?
21.	कितने लोग यहा घंघा करते है?	कतक लोक ये घंघा पानी करूआत?
22.	फल वाले झाड़ है कि नही ?	पाक बीती गछ आचे कि नाई?
23.	कौन-कौन से पेड़ है?	कोन-कोन गछ आचे?
24.	तुम अपनी जमीन का लगान देते हो?	तुई तोर भुई पट्टी देउआस?
25.	क्या बिना लगान वाली भी कुछ जमीन है?	काय पट्टी ना देवा बीती भुई बले आचे?
26.	कौन-कौन सी फसल उगाते हैं?	कोन कोन फसल उबजऊ आआस?
27.	कौन-सी रबी एवं कौन-सी खरीफ कौन फसल कैसी है?	कोन जेठ आऊरी कोन शीत समयार फसल आय?
28.	इस साल फसल कैसी है?	ऐ बरख र फसल कसन आचे?
29.	कितना नुकासन होगा?	कतक हानि होयसी?
30.	पैदावार में कमी होगी?	फसल बाड़नी ने कमी होयसी?
31.	जमीन को सुधारना आवश्यक है?	भुई मरामत करायबार जरूरी आय?
32.	मीन में खाद डाला करें।	भुई ने खत देबार बनाओत।
33.	अच्छा बीज बोना चाहिए।	नुको बीचा के बुनवार आय।
34.	खेत की मिट्टी बह जाती है?	बेड़ा र माटी बोहरी जाऊआय?
35.	सरकारी तकाबी ली थी क्या?	सरकारी लागा/ तकाबी धरी रइसकाय?
36.	क्यों नहीं ली थी?	काय कजे ना धरी रईस?
37.	क्या। तुमने दरखास्त दी थी।	काय। तुई दरखास देई रलिस?

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
38.	हॉ / नहीं।	हव / नाई।
39.	किसको दी थी?	काके देइरलिस?
40.	देना चाहिए।	देबार रए ?
41.	तकाबी से बैल, खाद तथा अच्छे बीज खरीद सकते हो।	लागा ले बैला, बत आऊरी निको बीचा घेन के सकास।
42.	तकाबी से कुएँ खोदिए और बांध भी बनाईए	सरकारी लागा ले चुंआ आऊरी बांध बले बनाआ।
43.	तकाबी का पैसा अन्य मदों में खर्च नहीं करना चाहिए।	सरकारी लागा के आऊरी थाने खर्चा ना करबार आय।
44.	रामू से बटाई में खेत किसने लिया था?	रामू ले अधीया ने भुईं कोन धरि रए?
45.	उसको बटाई का हिस्सा दिया था?	हांके अधीया रा हिसा-बाटा देईरईस?
46.	इस साल किस-किस ने जमीन बेची है?	ऐ बरख कोन कोन भूईं बिकलाय?
47.	किस-किसने खरीदी है?	कोन कोन घेनलाआत?
48.	गांव में उन लोगों की जमीन कितनी है?	गांव ने हाईं मन र कतक भूईं आचे।
49.	कभी जमीन की देखने आते हैं, या नहीं?	केबीई भूईं दखके आसूआत की नाई?
50.	उसकी जमीन की देखभाल कौन करता है?	हतार भूईं के दखा-रखा कोन करुआय?

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
51.	उसके नौकर का क्या नाम है?	हतार कमिया र काय नाव आय?
52.	तुम्हारे पास कितने मवेशी है?	तोर लगे कतक जनावर आचेत?
53.	बैलगाड़ी कितनी है?	बैलागाड़ी कतक आचे?
54.	एक भी नहीं।	गोटोक बले नाई।
55.	किस-किस के पास है?	कार-कार लगे आचे?
56.	कितने लोगो ने लगान जमा नहीं किया?	कतक लोक ये लागा के ना पटायलाय?
57.	बीस लोगो ने लगान जमा नहीं किया।	बीस लोक ये लागा के ना पटायलाय?
58.	क्यों?	कय काचे?
59.	इस वर्ष अच्छी फसल नहीं होने के कारण लगान जमा नहीं करा सके।	एसू बरसे पानी बरसा ना होयबा काजे लागा ना देयक सकलू।
60.	तकाबी की किस्ते कितने लोग जमा नहीं कर सके?	सरकारी लागा कतक लोक ना पटाय के सकलाय?
61.	तकाबी सही समय पर नहीं पटाने पर शासन वसूली हेतु क्या कार्यवाही करता है?	समया ने लागा ना पटायाले सरकार उसुली काचे काये करुआय?
62.	कुर्की भी की जा सकती है।	कुर्की बले होयके सके।
63.	तकाबी की राशि समय पर जमा कीजिए।	सरकारी लागा समया ने देबोर आय।

आर्थिक जीवन स्तर से संबंधित

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
1.	आप लोग कौन सा काम करत हैं?	तोमी मन काय काय बुता करूआआस?
2.	आप लोगों के पास जमीन है या नहीं?	तोमर लगे भुईं आचे कि कमता उपज कसन है?
3.	कैसी है जमीन। पैदावार कैसी है?	कमता आये भुईं ! उपज कमता आये?
4.	उपजाऊ नहीं है।	उपज ना होय।
5.	कौन-कौन सी फसलें बोते है?	काय काय फसल बुनुआआस?
6.	मक्का, ज्वार कोदो, कुटकी, धान बोते है।	जोंदरा, जोंदरी कोदा, चिकमा आऊरी धान बुनुआंत।
7.	सारी फसलों को अपने काम में लाते हो	सबु धान पान के आपनार काम ने या बेचते हैं? अनुआआस कि बिकुआआस?
8.	ये फसले सभी तो बरसाती हैं?	ये सबु फसल तो बरसा बेरा र आय?
9.	ठंड में क्या-क्या बोते हो?	शीत बेरा काय काय बुनुआआस?
10.	क्या ठंड में फसले पैदा नहीं करते ?	काय शीत बेरा उपज ना होय?
11.	जमीन अच्छी नहीं है।	भुईं अच्छा नुआय।
12.	क्या-क्या बेचते हो?	काय काय बिकुआआस?
13.	इन्हें बेचने बाजार ले जाते हो?	एके बिकवाकचे हाट नेऊआआस।
14.	खरीददार यहीं आते है?	घेनबा बिता ऐईथाने आऊआत।
15.	हाँ / नहीं	हव / नाई
16.	बाजार में ले जा कर बेचिए	हाट ने नेईकरी बिका।
17.	बाजार में दूसरी चीज भी खरीद सकते हो?	हाट ले आऊर जिनिस पने घेन के सकास?

“भतरी” बोली में वार्तालाप

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
18.	पैसे अच्छे मिलेंगे	रूपया नूको मिरसी।
19.	खेत में बैल जोतते हो या भैंसा?	बेड़ा के बला नागरे जापुआआस कि भैसानागरे?
20.	हल चालते है?	नागर जोपुआआस?
21.	केवल जंगल काटते हो?	खाली झार गोंदोआआस?
22.	गाय-भैंस पालते हो?	गाय आऊर भैंसा पोसूंआआस?
23.	मुर्गी भी पालते हो?	कुकड़ा पने पोसंआआस?
24.	क्या सबके पास गाय भैस है?	काय सबु लगे गाय आऊरी भैसा आचे?
25.	इनके दूध का क्या करते हो?	हंतार गोरस के काय करूआआस?
26.	घी बनाते है।	घीव बनाऊआव।
27.	दूध पीते हो?	कोरस के खाउआआस?
28.	बकरी भी पालते है कि नहीं?	छेली पने पोसूआआस कि नाई
29.	आपके पास कितनी बकरियाँ है?	तोमर लगे कतरा छेली आच?
30.	मुर्गी के अंडे क्या भाव बिकते है?	कुकड़ा गार काय मोल बिकुआआस?
31.	वहां तो बहुत सस्ते है?	ऐताने कुबे सुरपाल आय।
32.	यहां मजदूरी की दर क्या है?	ऐती भूती कतक आय?
33.	सरकाररी मजदूरी में कितने रूपये मिलते है?	सरकारी कुली ने कतक रूपया मिरु आये?
34.	खाली समय में कितने रूपये मिलते है?	मेलाय बेरा कतक रूपया मिरु आय?
35.	फुरसत मे रस्सी, बांस, लकड़ी या खेती का काम में आने वाली वस्तुएँ बनाना चाहिए?	मेलाय बेरा, डोरी, बांऊस, गछ आऊरी बेड़ा, ने काम आयबा बीती के बनायबार आचे?

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
36.	बॉस, लकड़ी आदि खरीदने के लिये शासन के कर्ज मिलता है?	बाऊस, गछ अमता घेनबा कजे सरकारी लागा मिरुआय?
37.	मिट्टी के खिलौने कौन बनाता है?	माटीर खेलबा टा कोन बनाऊआय?
38.	घड़वा का काम करते हो?	घड़वा र बुता करुआआस?
39.	इसकी कीमत क्या है?	ऐतार मोल कसन आय?
40.	कहां बेचते हो?	कोनती बिकुआआस?
41.	मधु मक्खी भी पालते हो?	ओंडार पोसुआअस?
42.	आपके पास मधु मक्खी की कितनी पेटियाँ है।	तोर लगे कतक ओंडार छता आचेत।
43.	यहां लोहे का काम कौन करता है?	ऐती लुहार बुता कोन करुआय?
44.	बैलागाड़ी, कपाट और हल के लिए लोहे का सामान बना लेता है?	बैलागाड़ी, कपाट आऊरी नागर कजे लुहार समान बनायके सकरी।
45.	क्या वह संकल भी बना लेता है?	काय, हंय सीकरा पने बनाऊआये?
46.	हंसिया, कुदाली, फावड़ा, कुल्हाड़ी सभी बना लेता है?	हीरा, गंयती, रापा, टंगेया सबू बनाउआय?
47.	मकान में लकड़ी का काम कौन करता है?	घर बनायले गछ र बूता कोन करुआय?
48.	कवेलू कौन बनाता है?	डोंगा कोन बनाउआय?
49.	तुम्हारे पास कितने मवेशी है?	तोमर लगे कतक जनावर आचेत?
50.	जंगल से आप लोग कौन-कौन सी चीजें इकट्ठी करते हैं?	झार ले तोमीमन काय-काय जिनिस रूंडा करुआस?

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
51.	और क्या-क्या?	आउरी काय-काय?
52.	सभी जरूरत की।	सबु काम र बीती।
53.	इनको कहीं बेचते हो?	एके कोन थाने बिकुआआस?
54.	गोंद, लाख, शहद तो वही बिक जाता होगा?	लसा लाख ऑंडार तेल हंयती बिकुबास?
55.	साल भर में कितना बेच लेते हो?	बरस ने कतक बिकुआआस?
56.	तेंदूत्ता भी इकटठा करते होगे?	केंदु पतर पने रूंडाउआआस होयसी?
57.	हों दो महिना तेंदूपत्ता का कार्य करते है।	हव, दुय मास खेदूपनरे काम करुआव।
58.	तेंदूपत्ता इकटठा करने हेतु शासन ने नई नीति बनाई है।	केंदु पतर रूंडा करबा काजे सरकार बाटले उवाट बनला आचे।
59.	हों हम जानते हैं।	हव आमी जानबू आचुँ।
60.	पहले तेंदूपत्ता किसके लिए इकटठा करते थें।	केंदु पतर कार काजे रूंडायत राहास।
61.	पहले तेंदूपत्ता ठेकेदारों के लिए इकटठा करते थें।	पहीले केंदु पतर ठेका बितामन काजे रूंडा करते रऊ।
62.	अब किसके लिए इकटठा करते हो?	ऐबर कार काजे रूंडा करबाआस?
63.	अब सरकार के लिए इकटठा करते है।	ऐबर सरकार काजे रूंडा करबुआचुँ।
64.	तेंदूपत्ता नीति से कोई लाभ हुआ?	केंदु पतर उवाट ले कोनी कांई फयदा होयला?
65.	हों पहले की अपेक्षा अब ज्यादा पैसा मिलता है।	हव, आगे ले आऊरी आगर फयदा मिरसी आचे।

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
66.	हमने तो सुना है कि तेंदू पत्ता के लिए समिति बनी है।	हव, आगे ले आऊरी आगर फयदा मिरसी आचे।
67.	तेंदूपत्ता की सहकारी समितियों है, हम आदिवासी उनके सदस्य है, जो लाभ होगा सभी को बराबर-बराबर बाँटा जाएगा।	केंदु पतर काजे सहकारी समिति मन आचे, आमी आदिवासी मन हंतार सदस्य आव, जोन नफा होयसी सबके समान बांटा करुबो।
68.	मजदूरी समय पर मिल जाती है?	बूता करला भूति समय ने मिरुआय?
69.	हाँ मजदूरी समय पर मिलती है, और बराबर मिलती है।	हव, बूता करला भूति समय ने मिरुआय, बराबर मिरुआय।
70.	आप लोग इमली आदि भी इकटठा करते है?	तोमी मन तेतर असन पने रूंडा करुआआस?
71.	हाँ हम लोग इमली भी इकटठा करके बेचते है।	हव, आमी तेतर एडायंकरी आऊरी बिकुआंव।
72.	बाजार में इमली किस भाव से बेचते है?	हाटे तेतर काय भावने बिकुआआस?
73.	खुले बाजार में इमली बीज सहित अढ़ाई रू. प्रति किलो बेचते है?	असनी हाटे तेतर बिचा संगे अढ़ई रुपया किलो ने बिकुआव?
74.	आदिवासी सहकारी संस्था को क्यों नहीं बेचते?	आदिवासी सहकारी संस्था के कसन ना बिकास?
75.	वहाँ भी बेचते हैं, किंतु उनके पास नगद पैसा समाप्त हो जाने पर बाजार में बेचते है।	हाई थाने बले बिकुआंव, मांतर हाय मन लगे हाल पयसा ना रले हाटे नेई बिकुआव।

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
76.	सहकारी संस्था एवं बाजार के भाव में क्या अंतर रहता है?	सहकारी संस्था आउरी हाट भाव ने काय फरक रऊआय?
77.	खुले बाजार एवं सहकारी संस्था में 50 पैसे प्रति किलो का अन्तर रहता है?	असनी हाट आरू सहकारी संस्था ने आठ आना किलो ने फरक रऊआय।
78.	हमेशा-वनोपज, सहकारी संस्था में बेचना चाहिए उससे अधिक पैसे मिलेगा।	रोजे-आमके झार उपजलो बितीमनके सहकारी संस्था ने बिकबार आये हतार ले खुबे आगर पयसा मिरसी।

वन विभाग

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
1.	यह वन ग्राम है, या रैयत वारी?	ए झार गाँव आय कि रयत गाँव?
2.	यहां से जंगल नजदीक है?	एतीले झार लगे आचे?
3.	आबादी कितनी दूर है।	रयबा ठान कतक लाफी आचे?
4.	निस्तार की लकड़ी कहां से काटते है?	सरगी बिचा कोन झार ले बेचुआआस?
5.	साल बीज किस कूप से बीनते है?	सरगी बिचा कोन झार ले बेचुआआस?
6.	नाकेदार कहा रहता है?	नाकादार कोन थाने रऊआय?
7.	उसको बुलाओ।	हांके हागदियास।
8.	ये लकड़ियाँ किस जंगल से लाए हो?	ए दारू कोन झार ले जानलाआस?
9.	इसका रसीद कहाँ है?	एतार रसीद कोन थाने आचे?
10.	दिखओ। चोरी की तो नही है?	दखाआ। चोरला बिति तो नुआय?
11.	ऐसा।	असन।
12.	बताओ यहां चोरी से कौन लकड़ी काटता है?	सांगा, इती चोरी र दारू कोन गोंदुआय?
13.	किस कूप से काटता है?	कोन कूप ले गोदूआय?
14.	लकड़ी काटते समय किस किस का सहयोग लेता है?	दारू गोंदबा बेरा कोन कोन संगे रऊआत।
15.	अपनी-अपनी कुल्हाड़ी लाओ।	आपना-आपना टंगेया आना।
16.	कटा माल कितना है, वह भी लाओ?	गोंदला जिनिस कतक आचे, हांय सबुके आना?

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
17.	जंगल चलो और कटी हुई लकड़ी के ढूँढ दिखाओ?	झार ने जो आऊरी गोंदला खुटके दखाआ?
18.	ये लकड़ियाँ क्यों काटी गई है?	ए दारू काय काजे गोंदलार आचे।
19.	बेचने को, घर बनाने को, या हल बनाने का?	बिकबा काजे, घर बनायबा काजे, नोयले नागर बनायबा काजे?
20.	यह पत्ते कहीं से तोड़े?	ऐ पतर कोन थानले टुटायलास?
21.	इसकी रसीद तुम्हारे पास है?	एतार रसीत तोमर लगे आचे?
22.	लि थी या नहीं?	धरी रईस कि नाई?
23.	चलो। एक रूपये की रसीद लो।	जो! एक रूपया र रसीद धर।
24.	रसीद को हमेशा अपने पास रखो।	रसीद के संगे संगाय रा
25.	जंगल में गाये चर रही है।	झार ने गाय चरबा गाय रा
26.	वह किसकी है? किस गाँव की है?	हाय कोर आय? कोन गांव र आय?
27.	क्यो नाकेदार, उस गांव वालों ने रसीद कटाया है या नहीं?	कसन नाकादार, हाय गांवर लोक मन रसीद कटयला आचेत कि नाई?
28.	नहीं, तो सभी गायों घेर लो।	नाई बलले सबु गाय के छेका।
29.	गायों के मालिक पर जुर्माना किया जाएगा।	गाय बीतामन/गऊपतिया मन के डांड धरके लागसी
30.	जंगल से आवाज आ रही है।	झार ले गरजन आयसी आचे।
31.	जी हों, कुछ अपराधी तत्व है, जो कर्मचारियों को परेशान करते हैं।	हव, कोनी कोनी सगनाहा आचोत, जोन पाईक/करमचारी मन के परेशान करुआत।
32.	सिर्फ कर्मचारियों को ही...?	सिरीफ करमचारी / सरकारी आदमी मन के चे?

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
33.	नहीं गाँव वालों को भी परेशान करते हैं।	नाई। गाँव बीतामन के बले डराऊआत?
34.	क्या। शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाते हैं?	कार्य। सरकारी काम ने बादा पहुंचाऊआत?
35.	जी हॉ... मजदूरों को काम करने से माना करते हैं।	हव... कुली कोक के बुता करबा काजे माना करूआत।
36.	उन्हें पकड़कर पुलिस को सौंप दो।	हांईमन के धरीकरी पुलिस बिता मन के सोंपी दियास।
37.	वे लोग दल में रहते हैं, उनके पास बंदूकें भी होती हैं। एक-दो आदमी उनसे मुकाबला नहीं कर सकते।	हायमन कुड़ा रऊआत, हायमन लगे बंदूक बले रऊआय। गोदोक-दुयझन हायमन संगे लड़के न सकबाय।
38.	वे लोग किस गाँव के रहने वाले हैं?	हांई मन कोन गाँव ने रऊआत?
39.	नहीं मालूम। वे लोग आसपास के गाँव के नहीं हैं।	ना जानी। इलगर गाँवर नुआत।
40.	क्या, वे सभी आदिवासी हैं?	काय, हायमन सबू आदिवासी आत?
41.	नहीं, वे सभी पढ़े लिखे नवजवान हैं।	नाई, हाय सबू पढा लिखा जुवान पिलामन आत।
42.	नहीं.....।	नाई।
43.	जाकर पुलिस में एफ.आई. आर. दर्ज करा देना।	जाईकरी पुलिस ने रपट कराया दियास।
44.	डिप्टी साहब कहां मिलेंगे?	डिप्टी साहाब कोन थाने मिरसी?

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
45	सातवें कूपे में...।	सातमा कूप ने....।
46	वह वहाँ क्या कर रहा है?	हांय, हयती कार्य कारसी आचे?
47	सागोन के पौधे लगाए जा रहे हैं।	साहा बुटा रोपई कराबा आचेत?
48	सातवें कूपे पर कितने मजदूर कार्य कर रहे हैं?	सातमा कुप ने कतक कुली बूता करबा आचोत?
49	वहां पर 143 मजदूर काम कर रहे हैं।	हांई थाने 143 कुली बूता करबा आचोत?
50	यह काम कितने दिन चलेगा?	ये बूता कतक दिन चलसी?
51	यह काम दस दिन तक चलेगा।	ये बूता दस दिन परा चलसी।
52	आठवे कूपे में क्या काम चल रहा है?	आठमा कुप ने काय बुना चलसी आचे?
53	लकड़ियों का लाट बनाया जा रहा है, तथा बांस के जंगल में बांस की कटाई कर रहे हैं।	दारू के रचबाहत आऊरी बांऊस र झारे बाऊस के गोंदबायआत।
54	कितनी बैलगाड़ियाँ काम पर लगी है?	कतक बैलगाड़ी बुता ने लागला आचे?
55	बांस के जंगल तक फारेस्ट रोड है कि नहीं?	बांउस र झार लगले फारेस्ट रसता आचे की नाई?
56	सिर्फ बैलगाड़ी जा सकती है।	सिरीफ बैलगाड़ी चे जायके सकसी।
57	अच्छा, जाओ अपना काम करों।	आले, जाआ आपना बुता के कर।

आबकारी

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
1.	मुखिया जी, आप लोग दारू तो पीते होंगे?	सियान, तोमी मन मंद तो पिउआअस होयसी?
2.	नहीं, डर की बात नहीं है।	नाइ, डर र गोठ नुआय।
3.	मैं तो सिर्फ पूछ रहा हूँ?	मुई तो सिरीफ पुछबी आची?
4.	दारू पीने से मैं मना नहीं करता।	मंद पियबा काजे मुई माना ना करी।
5.	मैं यह जानना चाहता हूँ।	मुई ये जानबार चाहेबी आची।
6.	आप लोग दारू बनाकर या खरीदकर पीते हैं?	तोमी मंदबनायकरी कि घेनीकरी खाऊआआस?
7.	किस वस्तु से दारू बनाते हो?	मंद काय ले बनाऊआअस?
8.	महुआ या चावल से दारू बनाते हैं और ताड़ी भी निकाल कर पीते हैं?	महु कि आऊर ले मंद बनाऊआआस अऊरी ताड़ी पने निकरायकरी पिऊआआस?
9.	इन गाँव में सरकारी भट्टी है या नहीं?	गांव में सराकरी भाटी आचे कि नाई?
10.	सस्ती दारू कौन सी होती है?	सुकाल मंद कोन टा आय?
11.	ठेकेदार कौन है?	ठेकादार कोन आय?
12.	वह किस जाति का है?	हांय कोन जाति र आये?
13.	वह शराब में पानी तो नहीं मिलाता?	हांय मंद ने पानी तो ना मिसाये?
14.	दारू नगद पैसे से देता है? या अनाज आदि के बदले में देता है?	मंद हाल पैसा ने देऊआय के धान चाऊर बदला ने देऊआय?

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
15.	उधार देता है?	लागा देऊआय?
16.	क्या घर में भी दारू बनाते हो?	काय घरे पने मंद बनायबास?
17.	त्यौहार पर घर में दारू बनाने की छूट रहती है?	तिहार बेरा घरे मंद बनायबा र छुट मिरूआये?
18.	आप सिर्फ 5 लीटर ही दारू बना सकते हैं।	तोमी सिरफ 5 लीटर मंद बनायके सकास।
19.	दारू बना कर बेचना अपराध है।	मंद बनायकरी बिकवा र अपराध आय।
20.	शासन के कानून को मानना ही पड़ेगा।	सरकार र कानून के मानके चे पड़सी।
21.	अब सिर्फ सरकार ही शराब बेच सकती है।	ऐबर सिरफ सरकार चे मंद बिकके सकसी।
22.	आप फ्रिक न करें, भट्ठी की शराब शुद्ध रहेगी।	तोमी चिंता ना करा, भाटी र मंद निरवा रयसी।
23.	बहुत ज्यादा दारू मत पियो, उससे शरीर को नुकसान होता है।	खुबे मन ना पिया, हातार ले देहें के नुकसान होऊआय।
24.	आप लोग गांजा-भांग भी पीते हैं?	तोमी मन गंजीही-भांग पने पियबास?
25.	कहाँ से लाते हैं, गांजा-भांग?	गंजीही-भांग कोन थानले आनबाय?
26.	इस गाँव में किसके पास गांजा-भांग मिलता है?	एई गांव ने कार लगे गंजीही-भांग मिरूआय?
27.	किस भाव से बेचता है?	कसन मोल ने बिकुआय?
28.	कौन बेचता है?	कोन बिकुआय?
29.	कोटवार उन सबको बुलाकर लाओ।	कोटवार जा सबुके हागदेयकरी आन।
30.	आओ बापू, सोनू किरस्टैया, आओ।	आवरे बाबू, सोनू किरस्टैया आव।

स्वास्थ्य विभाग

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
1.	कहो रामू। तबियत तो ठीक है न?	कसन ना रामू तुई नंगत आचिस?
2.	क्या। आपकी पत्नी की तबियत ठीक नहीं है?	काय तमर बायले निको निआय?
3.	लाइए, दिखाइए।	आना, दखाआ।
4.	मुँह खोलिए।	टोंड उघाड़।
5.	कैसा लगता है?	कसन लागसी आचे।
6.	कब से तबियत खराब है?	केबेले नुको नियास।
7.	पांच दिन हो गया।	पॉच दिन होयले।
8.	कौन सी दवाई ले रहे हो?	कोन ओसो खायबी आस?
9.	क्या कहा! झाड़ फूंक?	काय बललीस! फूका-झाड़ा?
10.	आराम हुआ?	नगत होयलीस?
11.	मैं पहले भी बता चुका हूँ, कि तबियत खराब होने पर मेरे पास आओ।	मुई तोमके पहिले सांगलि आचे, निको ना रले मोर लगे आसा।
12.	बीमारी बढ़ चुकी है।	बेमारी बाढी गला आचे।
13.	गाँव में मुखिया के पास गोलियाँ हैं।	गाँव ने सियान लगे गोलीमन आचे।
14.	ग्राम सेवक के पास भी गोलियाँ हैं।	ग्राम सेबक बाबू लगी पने गोली मन आचे।
15.	यदि एक दिन में आराम न हो तो मेरे पास आ जाया करो।	एक दिन ने नुको ना होयले मोर लगे आयबार बनाआ।
16.	कॅपकॅपी से बुखार चढ़ तो समझ लो मलेरिया हैं।	थर-थराये करी जर घरले समझा की मलरिया आय।
17.	खानपान में भी ध्यान दिया करो।	खायबा पियबा के पने धियान देबार बनाआ।

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
18.	गंदी और सड़ी चीजें मत खाओं।	खराप आऊरी कुयला जिनिस के ना खाआ।
19.	कपड़े भी साफ पहनो।	फटई पने छुकछुका गोटा पिंदा।
20.	अधिक शराब भी हानिकारक है।	खुबे मंद खायले पने घाटा करूआय।
21.	घर के पास पानी कीचड़ जमा न रहे।	घर लगे पानी अऊरी चिखल ना रहो।
22.	उससे मच्छड़ पैदा होते हैं।	तार ले गुण्डी जात होऊआय।
23.	मच्छड़ों के काटने से मलेरिया होता है।	गुन्डी चाबले मलरिया होऊआय।
24.	घर-आँगन हमेशा साफ रखो।	घर-दुआर सबुदाय छुकछुका थुआ।
25.	आपके कितने बच्चे हैं?	तोर कतक पिला टोकी आचोत?
26.	सात बच्चे।	सात गोटा।
27.	क्या सभी बच्चे स्वस्थ हैं?	काय, सबु नुको आचोत?
28.	नहीं। वे हमेशा बीमार रहते हैं तथा पत्नी भी बीमार रहती है।	नाई। हायमन सबूदाय बेंमारी रऊआत आऊरी बायले पने बेमार रऊआय।
29.	यदि तुम चाहो तो परिवार नियोजन करा पत्नी भी स्वस्थ रहेगी।	जदी, तोर मंद होयसी नंसबंदी करायदेस, लो, इससे तुम्हारी तारले तोर बायले नुको रयसी।
30.	आप कहते हैं तो परिवार नियोजन करा लूंगा।	तोमी बोलबाआस आले नंशबंदी करायदेबी।

धार्मिक जन जीवन

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
1.	गांव की देवी का मंदिर कहाँ है?	गांवर देव गुड़ी कोन लगे आचे?
2.	क्या यह प्रत्येक गांव में होता है?	काय से सबू गांव ने रऊआय?
3.	और कौन-कौन से देवी देवता है?	आऊरी कोन कोन देवी देवता आचोत?
4.	बूढ़ा देव, दूल्हा देव, बाघ देव, नागराजु, बूढ़ी माता, पोचम्मा-महिषम आदि।	बूढ़ा देव, दूल्हा देव, बाघ देव, नागराजु बूढ़ी माता, पोचम्मा-महिषम अमता।
5.	इनकी मढ़िया कहाँ-कहाँ है?	ऐ मनर जागा कोन-कोन लगे आचे?
6.	पोचम्मा की मढ़िया कहाँ है?	पोचम्मा माता र जागा कोन लगे आचे?
7.	इसकी पूजा कब होती है।	ऐतार पूजा पाठ केबे होऊआय?
8.	पूजा सब मिलकर करते है?	पूजा पाठ सबु मिरिमिसीकरी करूआत?
9.	दूसरे गांव के लोग भी आते है?	दूसर गांवर लोक पने आऊआत?
10.	दूसरी जाति के लोग भी आते है?	दूसरा जातिर लोक पने आऊआत?
11.	आपके घर में कौन-कौन देव है?	तोमर घरे कोन-कोन देव आचोत?
12.	बड़े देव को कहां बिठाते हो?	बड़े देव के कोन लगे बसाऊआआस?
13.	सभी के घरों में होते है?	सबु घरे रऊआत?
14.	नहीं, साल के वृक्ष में रहते है।	नाई, सरगी गछे रऊआत।
15.	तो आप लोग साल को काटते नहीं	काय तोमी सरगी के ना गोंदुआआस?
16.	देवी की पूजा में क्या क्या किया जाता है?	देव र पूजा पाठ ने काय-काय करूआत?
17.	नारियल, मुर्गा-मुर्गी बकरा, दारु आदि चढ़ाते है।	नड़िया, कुकडा-कुकड़ी, बोकड़ा मंद अमता चेगाअऊआव।

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
18.	कितने बकरा, कितने मुर्गे और कितनी दारू?	कतक बोकड़ा, कतक कुकड़ा आऊरी कतक मंद?
19.	साल में कितनी बार पूजा करते है?	बरस ने कतक हार पूजा पाठ करुआआस?
20.	घर के देवता को क्या-क्या चढ़ाते है?	घर र देवता के काय काय चेघाऊआत?
21.	कौन-कौन लोग शामिल होते है?	कोन-कोन मनुक मन रऊआत?
22.	एक गोत्र के सभी लोग आते है?	गोटोक बस र पंडार सबु लोक अऊआत?
23.	औरते भी आती है?	बायले मन बले आऊआत?
24.	पूजा कौन करता है?	पूजा पाठ कोन करुआय?
25.	भूमका / बैगा / मॉझी?	पुजारी / गुनिया / माझी?
26.	बैगा गाँव में ही रहता है या बाहर से आता है?	सिराहा गांव ने चे रऊआय कि बाहार ले आऊआय?
27.	उसको कितना देते है?	हांके कतक देऊआआस?
28.	गाँव कब बाँधा जाता है?	गांव के केवे बाघुआय?
29.	गाँव को कौन बाँधता है?	गांव के कोन बाघुआय?
30.	गाँव बाधने से क्या होता है।	गांव के बांधले काय होऊआय।
31.	बीमारी नहीं फैलती।	बेमारी सेमारी ना लागे।
32.	बीमारी सचमुच रुक जाती है?	सत बेमारी थेबु आय?
33.	बीमार आदमी की झाड़ फुँक की जाती है।	बेमार लोक के फूका-झाड कऊआत।

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
34.	दवा भी देते है?	ओसो पने देऊआत?
35.	झाड़-फूक कौन करता है?	फूका-झाड़ा कोन करुआय?
36.	मॉझी / बैगा करता है।	पुजारी / गुनिया करबाय।
37.	बैगा चेला भी बनाता है?	सिराहा चेंला पने बनायसी?
38.	साल में कितने त्यौहार मनाते हो?	बरस ने कतक तिहार बनाऊआआस?
39.	भुजलिया भी बोते है?	भोजली पने पकाऊआआस?
40.	जो आदमी मर जाता है, उस जीव की पूजा करते है?	जोन मनुक मरीजायेसी, हांय जीव र पूजा पाठ करुआआस?
41.	पितर मिलौनी कैसी होती है?	पितर के कसन मिलायबाय?
42.	क्या भूत-प्रेत होते है?	काय भूत-पेरेत होऊआत?
43.	भूत-प्रेत की नाराजी कैसे शांत करते है?	भूत-पेरेत के कमता शांति करबास?
44.	क्या इधर पोला का त्यौहार भी मनाते है?	काय ऐ बाटे पोरा तिहार पने बनाऊआत?
45.	थोड़ा पोला के त्यौहार के विषय में बताइए।	खिंडिक असन पोरा तिहार हिसाप के सागा।

सांस्कृतिक जन जीवन

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
1.	इस गाँव में कितनी जातियाँ हैं?	ऐ गांव ने कतक जाति र लोक आचोत?
2.	सब लोग आपस में मिल जुलकर रहते हैं?	सबु लाक मिरी मिसीकरी रऊआत?
3.	कौन-कौन से तीज त्यौहार मानते हैं?	काय-काय तिहार-बाहार बनाऊआस?
4.	सभी त्यौहार सभी मानते हैं, या अलग-अलग?	सबु तिहार सबु मनाऊआत कि अलगे अलगे?
5.	अलग-अलग जाति का अलग अलग देवता है?	अलग-अलग जातिर अलग-अलग देवी देवता आचेत?
6.	गाँव में सबसे बड़ा देवता कौन सा है?	गांव ने सबुले बड़े देवता कोन आय?
7.	उसकी पूजा किसके द्वारा होती है?	हांतार पूजा पाठ कार ले होऊआय?
8.	बैगा को कौन चुनता है?	सिराहा के कोन बाछुआय?
9.	क्या गाँव के लोग बैगा की बात मानते हैं?	काय गांवर लोग सिराहा र गोठ के मानुआत?
10.	इस क्षेत्र में कोई साधु महात्मा भी है?	ई लगे कोनी साधु बैरागी पने आचोत?
11.	क्या त्यौहार के समय नाच गाना भी होता है?	काय तिहार बेरा ने नाचा गाआ बले होऊआय?
12.	कौन-कौन सा?	कोन कोन बीति?
13.	गाँव में कौन-कौन से बाजे बजाए जाते हैं?	गांव ने कोन कोन बाजा बजाऊआत?
14.	मंदिर में कौन से बाजा बजते हैं?	गुड़ी ने कोन बाजा बाजाऊआत?

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
15.	नाच कब नाचते है?	केबे नाचुआत?
16.	क्या विवाहित महिलाएँ भी नाचती है?	काय बिहा होयला बायलेमन पने नाचुआत?
17.	क्या विवाहित पुरुष भी नाचते है?	काय बिहा होयला मनुकमन पने नाचुआत?
18.	क्या दोनो साथ-साथ नाचते है?	काय बायले मनुक मन मिसीकरी नाचुआत?
19.	नाच के समय कौन सी पोशाकें पहनते है?	नाचबा बेरा काय फटीई पिंदुआत?
20.	सिर में क्या पहनते हैं?	मुड़े काय पिंदुआत?
21.	अन्य जातियों के लोग भी नाच सकते है।	दूसरा जातिर लोक पने नाचु आत।
22.	नाच गांव के चौपाल में होता है या गाँव के बाहर?	नाचा गांवर डांड ने होऊआय कि गांव ले बाहरी?
23.	क्या दूसरे गाँव के लोग भी नाच सकते है?	काय दूसरा गांवर लाक मन पने नाचके सकेत?
24.	जब बाल बच्चे जन्म लेते है तो नाम कौन रखता है?	पिला झिला जनम धरले नांव कोन देयसी?
25.	नाम क्या रखा जाता है?	नांव काय संगारुआत?
26.	बच्चे की नाल काट कर कहाँ गड़ायी / बहायी जाता है?	पिलार बोमली के काटीकरी कोनती गाडूआत?
27.	नाभी (नाल) को किससे काटते है?	बोमली के कायने काटुआत?

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
28.	बच्चों में किसी मरे हुए अपने पूर्वजों के चिन्ह कैसे देखते हैं?	जनमला पिला—झिला ने मरला लोक र बाना कसन दखुआत?
29.	बच्चों की मंगनी कब की जाती है?	पिला मनर माहला कतक बरस ने करुआत?
30.	विवाह कितने वर्ष की उम्र में की जाती है?	बिह कतक बरस ने करुआत?
31.	आपकी जाति में कितने गोत्र होते हैं?	तोमर जाति ने कतक बस होऊआय?
32.	इस गोत्र में शादी होती है?	ऐ बंश ने बिहा होऊआय?
33.	लकड़ी के बाप को कितना धन अनाज, रूपये दिए जाते हैं?	टोकीर बुआ के कतक रूपया, धान देऊआत?
34.	यदि नहीं देते तो लड़के को क्या करना पड़ता है?	ना देयत बलले पिला के काय करके पडुआय?
35.	लकड़े को लमसेना (घर जवाई) बनना पड़ेगा?	पिला के घरजुंआय मनायके लागसी?
36.	लमसेना कब अपने माँ-बाप के यहां वापस जाएगा?	घरजुंआय के केबे आपना लाया-बुआ घरे लेऊटी जायसी?
37.	जब लड़की का मूल्य अदायगी कर देगा?	जेबे टोकी र खरवा जिझयला उतारें?
38.	बारात कहाँ जाती है?	बरात कोनती जाउआय?
39.	लड़की / लड़का के यहाँ?	टोकी / पिला घरे?
40.	बारात कितने दिन ठहराई जाती है?	बरात कतक दिन थेबाऊआत?
41.	नाच गाना भी होता है?	नाचा गाआ पने होऊआय?
42.	हाँ.....	हव.....

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
43.	नाच गाने का नाम क्या है?	नाचा गाआ र नांव काय आय?
44.	क्या-क्या खिलाया जाता है?	काय-काय खुआ-पिया कराऊआत?
45.	खाना कौन खिलाता है?	खादी-पिदी कोन कराऊआय?
46.	विवाह कोन करवाता है?	बिहा कोन कराऊ आय?
47.	ब्राह्मण / ओझा / बैगा / मॉझी	बामन / गुनिया / सिरहा / मांजी
48.	विवाह के बाद पुत्र एवं पुत्र वधु काहँ रहते है?	बिहा होयला पाछे बेटा-बहु कोन थाने रऊआत?
49.	बुढ़ापा कितनी उम्र में होता है?	डाकरा कतक बरसने होऊआत?
50.	आदमी के मरने पर उसे गाड़ते है या जलाते है?	माने मरि गले माटी देऊआत कि डाहा देऊआत?
51.	माता की बीमारी या सांप काटने से मरने वाले को क्या करते है?	माता आयला बेमार आऊरी सांप/ डोरी चाबला र ले मरला बिती के काय करूआत?
52.	पूजा कैसे करते है?	पूजा पाठ कसन अरूआत?
53.	मृतात्मा को प्रसन्न कैसे करते है?	मरिगला लाक मन के कसन परसन करूआत?
54.	मृतात्मा की शुद्धि कैसे की जाती है?	मरिगला माने र शुधी कसन करूआत?
55.	परिवार एवं सामाज को भोज के देकर?	परिवार आऊरी समाजर लोग मन भोज देईकरी?
56.	भोज में दारु भी परोसी जाती होगी?	मरनी भोज दिने मंद पने खुआऊआत?
57.	मृतक जो खाते पीते थे, सभी	मरी गला माने जांय खायते-पियते रए सबु?

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
58.	क्या मृतक के पुनः जन्म लेने की मान्यता है?	काय मरला माने आऊरी जनम धरबा गोठ के बिसवास करबास ?
59.	हाँ...	हव...
60.	किसके घर जन्म लेते है?	कार घरे जनम धरसी?
61.	बेटा या बेटी के घर?	बेटा कि बेटी घरे?
62.	आसपास में धार्मिक स्थान है?	हाय लगे पूजा पाठ आसन जागा आचे।
63.	क्या, वहाँ मेला लगता है?	काय, हांयती बजार पने होयसी?
64.	कब लगता है?	केबे होऊआय?
65.	कब लगता है, किस देवता के ना पर?	केबे होऊआय, कोन देवता र नांव ने?
66.	गोड/मुरिया/दोर्ला/धुरवा आदि एक दूसरे हाथ का पानी पीते है या नहीं?	गोड/मुरिया/दोरला/धुरवा असन गोटक संगे आपस ने पानी चलू आय की नाई?
67.	पीते हैं। नहीं पीते है?	पिऊआत। ना पियेत?
68.	इनमें कौन ऊँची जाति के है?	ऐ सब ले कोन बड़े जाति र आय?
69.	अगर कोई दोरली जाति की लड़की गोंड जाति की पत्नी बन गई तब क्या होगा?	दोरला जातिर टोकी गोड जाति घर बायले होयीजायेसी तेबे काय होयसी?
70.	कोई कुँआरी लड़की गर्भवती हो गई, तब क्या होगा?	कुवारी टोकी पेटे थेबेसी, तेबे काय होयसी?
71.	बिरादरी में मिलने के लिए क्या दंड देना पड़ता है?	समाज ने मिसबा काजे काय दंड देयके लागुआय?

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
72.	जाति को खिलाने-पिलाने में कितना खर्च होता है?	समाज के खुआयब पिआयबा काजे कतक खर्चा लागसी?
73.	गाँव और जाति का मुखिया एक ही आदमी है या अलग-अलग?	गाँव र अऊरी जातिर सियान गोठकी माने आय कि भिने-भिने
74.	पंचयत में फेसला कौन करता है?	पंचायत ने नियांव कोन करुआय?
75.	दोषी की बात सुनी जाती है या नहीं?	दोषी र गोठ सुनबाय कि नाई?
76.	जुर्माना कितना होता है?	दंड कतक होऊआय?
77.	पूरी जाति को भोज देना पड़ता है।	समाज के भोजी भाति देयके पडऊआय।
78.	यदि भोज न दे तो?	भोजी भात ना देले?
79.	जाति से अलग कर दिया जाता है।	जाति ले अलग करीदेऊआत?
80.	औरत की ज्यादा इज्जत है या मर्द की?	बायले र अधिक इजित आय कि मनुक र?
81.	दोनों बराबर....	दूनो समान?
82.	पशु मारने की क्या सजा होती है?	जनावर मारले काये दांड होयसी?
83.	और आदमी मार डालने की?	आऊरी मनुक मारला र ?
84.	समाज में सबसे ज्यादा इज्जत किसकी रहती है?	समाजे सबुले अधिक इजित काके रऊआय?
85.	किस बात पर इज्जत मिलती है?	काय गोठ ने इजित मिरुआय?

शासकीय कर्मचारी से संबंधित

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
1.	इस गाँव में स्कूल है?	ऐ गाँव ने स्कूल आचे?
2.	नहीं है। होना तो चाहिए।	निआय। होयेबार तो रला?
3.	आप लोग स्कूल चाहते है?	तोमी मन के सकूल जरुरात आय?
4.	स्कूल से क्या फायदा है?	सकूल ले काय फायदा आचे?
5.	स्कूल से बहुत फायदा है?	सकूल ले खुबे फायदा आचे?
6.	आपका लड़का पढ़-लिख जाएगा।	तोमर पिला पढ़ी-लिखी जायेसी।
7.	सब बाते समझने लगेगा।	सबु गोठ के समझके सकसी।
8.	उसे नौकरी भी मिल जाएगी।	हंके नौकरी पने मिरसी।
9.	यहाँ-वहाँ आ जा सकता है।	ऐ बाटे हांय बाटे आयके जायके सकसी।
10.	सबसे मिलेगा, बात करेगा।	सबु संगे मिरसी, गोठायके सकसी।
11.	पढ़-लिखकर कुछ पैसे अधिक कमाएगा।	पढ़ी लिख करी खिंडिक पैसा नुको कमायसी।
12.	बात तो ठीक है, लेकिन पढ़ाई में काफी खर्चा आता है।	गोठ तो नुको आय, मांतर पढ़ीई ने पैसा खुबे खरचा आऊआय।
13.	खर्च हमारी सरकार करेगी, बच्चे को छात्रवृत्ति भी मिलेगी।	खरचा तो आमर सरकार करसी अऊरी उपरे पैसा पने देयसी।
14.	बच्चों को किताबें, कपड़े, स्लेट सब मुफ्त मिलेंगे।	पिला मन के किताप, फटीई, सिलेट सबु फोकाहा मिरसी।
15.	एक बार भोजन भी मुफ्त मिलेगा।	एक हार खादी पने फोकहा ने मिरसी।
16.	बच्चों को स्कूल भेजेगे न?	पिला मन क सकूल पठायबास काय?
17.	हम स्कूल खुलवाने का प्रबन्ध करेगे।	आमी सकूल खोलायबार उवाट करबू।

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
18.	पाँचवी पास होने के बाद एक आश्रम म रहेंगे।	पाँचमी पाय होयले पाछे गाटोक आश्रम ने रबाय।
19.	हॉ...	हव...
20.	वही उसी खाना, कपड़ा मिलेगा।	हाई थाने खादी आऊरी फटीई मिरसी।
21.	वही रहेगा, वहीं पड़ेगा।	हाई थाने रयसी, हाई थाने पढसी।
22.	छुट्टी मे वह घर आएगा।	छुटी होयले घरे आयसी।
23.	आप भी आश्रम में जाकर मिल सकते है।	तोमी पने आश्रम थाने जाईकरी मिरके सकबास।
24.	बच्चियों को भी स्कूल भेजिए।	नोनी मन के बले सकूल पटाआ।
25.	लड़के, लड़कियों में कोई अंतर नहीं है।	पिला, नोनी मन ले काई अनतर नियाय।
26.	पढ़ी-लिखी लड़की, घर को अच्छी तरह से संभालेगी।	पढा-लिखा नोनी, घर ने नुको संगायसी।
27.	अपने पति के घर को स्वर्ग बना देगी।	तार मुनुक र घर के सरग परा बनायसी।
28.	आपके गाँव का कुआँ तालाब पुरने तो नहीं है?	तमर गावर चुंआ-मुडा तो नुआय।
29.	आप लोग उसकी सफाई क्यों नहीं करते?	तोमी मन हांतार सफाई काय कजे ना कराआस?
30.	साफ कुंए तालाब से शुद्ध पानी पीने को मिलेगा।	छुक छुका चुंआ मुडा ले निको पानी मिरूआय।
31.	मरम्मत लायक हो गया है?	मरामत असन होयला आचे?

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
32.	मरम्मत हम सब मिलकर करेंगे।	मरामत आमी सबु मिसी करी करबू।
33.	आपने हमारा ऑफिस तो देखा होगा?	काय तोमी आमर आफीस के दखलाआस होयसी?
34.	आप लोग चाहें तो सिनेमा भी दिखाएंगे।	तोमी मन बलले सिलिमा पने दखायबु।
35.	सिनेमा रात में होगा।	सिलिमा राती के होयसी।
36.	यहाँ भी हो सकता है।	ए थाने पने होयके सके।
37.	अनेक गाँवों के लोगों को बुलाना होगा।	खुबे गावर लोक मन के हागदेबार होयसी।
38.	हाँ... मैं तो भूल गया।	हव... मुँई तो भुलकी गली।
39.	आपको हम लोग जरूरत पड़ने पर दवाइयों भी देंगे	तोमके आमी मन जरूरत पड़ले ओसो पने देबु
40.	सभी दवाइयों फायदा करेंगी।	सबु ओसी फयदा करसी।
41.	उन्हें लेने में कोई नुकसान नहीं।	ताके खायले कोई हानि ना होय।
42.	इस गाँव से कितने लोगो ने बैल के लिए दरखास्त दिए है?	ऐ गांव ले कतक लाक बैलाकाजे दरखास देलाय।
43.	बैल की खरीदी में सरकार द्वारा 30 प्रतिशत की छुट है।	बैला घेनबा काजे सरकार ले 30 प्रतिशत र छुट आचे।
44.	हाँ..हाँ बैलगाड़ी भी मिलेगी।	हव हव बैलागाड़ी पने मिरसी।
45.	सरकारी जमीन के लिए भी बैल एवं गाड़ी मिलेगी।	सरकारी भुँई काजे पने बैला आऊर गाड़ी मिरसी।

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
46.	हॉ-हॉ आवेदन पत्र बी.डी.ओ. को दे देना।	हव-हव दरखास कागत बी.डी.ओ. साहाब क देई दिया।
47.	अच्छा, जयराम जी की।	अच्छा, जुहार।

आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, क्षेत्रीय इकाई बरतार संभाग जगदलपुर (छ.ग.) (50)

यातायात से संबंधित

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
1.	पीपरी गाँव कितनी दूर है?	पीपरी गांव कतक लाफी आचे?
2.	गाँव का रास्ता कैसा है?	गांवर बाट कसन आचे?
3.	रास्ता कच्चा है या पक्का?	बाट निको आचे कि नाई?
4.	मोटर चल सकती है?	मोटल चलके सकसी काय?
5.	मोटर कितने समय में पहुँचेगी?	मोटल कतक समया ने पहुँचसी?
6.	बैलागाड़ी को पहुँचने में कितना समय लगेगा?	बैलागाड़ा के अमरबा काजे कतक समया लागसी?
7.	क्या गाड़ी में भैसा भी जोतते हो?	काय गाडा ने भैसा बले फांदूआआस?
8.	गाड़ी के पहिए कौन बनाता है?	गाड़ा र चक्का कोन बनाऊआय?
9.	चक्के पर लोहा कौन चढ़ाता है?	चक्का थान लुहा कोन पिंदाऊ आय?
10.	सामान कावड़ में रखकर चल सकते हो?	कावड़ी ने सामान बोईकरी हिंडके सकीस?
11.	कौन सी लकड़ी से कावड़ बनाता है?	काय गछ र कावड़ी बनूआय?
12.	रास्ते में बैलागाड़ी फंसेगी तो नहीं?	रसता ने बैलागाड़ी लटसी तो नाई?
13.	रास्ते में दोनो तरफ पेड़ लगा दो।	बाटे दुनो पाख गछ रोपी दियाआस।
14.	पेड़ों से छाया रहेगी।	गछ ले छांय मिरसी।
15.	गाँव से पक्की सड़क कितनी दूर है?	गांव ले निको बाट कतक दूर ने आचे?
16.	रास्ते की उबड़-खाबड़ को मिट्टी से दूर करना चाहिए।	बाटर किचका-खोदरा के माटी के ढांकी देबार आय।
17.	रास्ते पर गंदगी नहीं करनी चाहिए।	बाटे केंचकेचा ना करबार आय।
18.	रास्ता साफ रखना चाहिए।	बाट के छुकछुका संगायबार आय।

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
19.	रास्ते के कीचड़ को ठीक कर लो।	बाटर चिखल के गुचाय दियास।
20.	यह बस कहाँ जा रही है?	ऐ बस कोनती जायसी आचे।
21.	यहाँ के कौटा का किराया कितना है?	ऐती ले कौटा र किराया कतक आय?
22.	यहाँ से कौटा का किराया 29 रूपया है।	ऐती ले कोटा र किराया 29 रूपया आय।
23.	मुझे सुकमा जाना है।	मोके सुकमा जीबार आचे।
24.	सुकमा का किराया 14 रूपया है।	सुकमा र किराया 14 रूपया आये।
25.	यह बीस रूपये का नोट लो, चिल्हर रूपये नहीं है।	ऐदे बोस रूपया र नोट के धर, चिलर पैसा निआय।
26.	लो छः रूपये वापस।	धर, छय रूपया।
27.	यह गठरी किसकी है?	ऐ मोंडरा ने कार आय?
28.	गठरी में क्या रखा है?	मोंडरा ने काय आचे?
29.	सामान और एक मुर्गी है।	समान आऊरी गोदोक कुकड़ा आचे।
30.	मुर्गी का किराया लेंगे, क्योंकि यह जीवित है।	कुकड़ा र किराया लागसी, काय कजे बलले ये जीव आचे।
31.	नहीं मालिक यह जीवित नहीं है।	नाई मालिक एटा जीव निआय।
32.	अच्छा तो कोई बात नहीं।	अच्छा तेबे कोनी गोठ नाई।
33.	दरभा में उतरने वाले आगे आ जाईए।	दरभा ने उतरबा लोक छमे आसा।
34.	जो खड़े हैं वे उनकी सीट पर बैठ जाए।	जोन ठिया आचोत हांय आपना सीट ने बसा।
35.	आप कहाँ जाएंगे?	तोमी कुई जिबास?

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
36.	तोंगपाल।	तोंगपाल।
37.	टिकिट ले ली है?	टिकस धरला आस काय?
38.	हॉ... अपने चिल्हर पैसे नही दिये है।	हव... तोमी चिलर पैसा ना देलाआस।
39.	कितने रूपये वापस करने है?	कतक पैसा लेऊटायबार आय?
40.	सात रूपये...।	सात रूपया।
41.	पीछे वाली सीट पर बैठिए।	पाठेर कुर्सी ने जाई बसा।
42.	इस सीट पर क्यों नही बैठ सकता?	ऐ कुर्सी ने काय काजे ना बसके सकी
43.	यह विधायक की सीट है।	ऐ नेतामनर (विधायकर) कुर्सी आय।
44.	कहाँ है विधायक?	कोन लगे आचे नता/ विधायक?
45.	बीच में आ जाएंगे, तब आपको सीट खाली करनी होगी।	मजी आई गले तोमके कुर्सी ले उठके लागसी।
46.	ठीक है जब विधायक जी आएंगे, तब मैं सीट खाली कर दूंगा।	हव, जेबे नेता आयसी, तेबे मुई कुर्सी ले गुची देबी।
47.	अरे-अरे गाड़ी रोको में यहीं उतरूंगा।	थेबाव-थेबाव मुई ई थाने उतरूआय।

पानी के साधन संबंधी।

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
1.	पीने का पानी कहाँ से लाते है?	खायबा पानी कुई ले आनबास?
2.	क्या घर के पास कुआँ है?	काय घर लगे चुंआ आचे?
3.	गर्मी मे कुआँ सूख तो नही जाता?	जेठ ने चुंआ सूखी तो ना जाये।
4.	कुआँ कितना गहरा है?	चुंआ कतक गड़या आचे?
5.	कुएँ से पानी के लिए ताजा पानी लाओ।	चुंआ ले खायबा काजे निको पानी आना।
6.	क्या गाँव के पास कोई नदी है?	काय गाव लगे कोनी लंदी आचे?
7.	कौन सी नदी है?	काय लंदी आचे।
8.	नदी गाँव के किस ओर है?	लंदी गांवर कोन बाटे आचे?
9.	नदी को किस तरह पार करते है?	लंदी के कसन नकुआत?
10.	बरसात में कैसे नदी पार करते है?	झड़ी घरला बेरा लंदी के कसन नकुआआस?
11.	नाव चलाना किसको आता है?	डोंगा घाटबार कोन के आऊआय?
12.	नदी पार करने के लिए कोई पुल है?	लंदी नकबा काजे कोनी पुलिया आचे?
13.	क्या बरसात में पुल के ऊपर से पानी बहता है?	झड़ी घरला बेरा पुलिया उपरे पानी बोयसी?
14.	खेतों में सिंचाई कैसे करते है?	बेड़ा ने पानी कसन झपाऊ आआस?
15.	क्या खेत के पास कोई नहर है?	काय बेड़ा लगे कोनी नहरमुंडा आचे।
16.	मवेशी पानी कहाँ से पीते है?	गाय बैला पानी कोन थान ले पिऊआत?
17.	तुम कहाँ नहाते हा?	तोमी कोन थाने नहाऊआआस?
18.	कपड़े कहाँ धोते हो?	फटई कुई काचुआआस?

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
19.	क्या तालाब में मछली है?	काय मुंडा ने माछ आचोत?
20.	यहाँ पानी क्यों जमा हो गया है?	ऐ थाने पानी कसन रुड़ा होयला आचे?
21.	नाली बनाकर पानी बहा दो।	टार मारीकरी पानी निकराआ।
22.	नाले का पानी किस नदी में मिल जाता है?	सोड़ी र पानी कोन लंदी ने मिरुआय?
23.	क्या नाले के या नदी के किनारों पर बोते हो?	काय झोड़ी आउरी लंदी रहे बनुआआस?
24.	क्या! यहाँ बोरिंग भी है?	काय ऐती बोरिंग चुआ पने आचेत?
25.	जी हाँ एक बोरिंग खुदा हुआ है।	हब गोटोक बोरिंग चुआ खेड़ला आचेत।
26.	क्या उसका पानी पीते हो?	काय हांतार पानी खाउआत?
27.	वह तो बिगड़ा हुआ है।	हाई तो नसी गला आचे।
28.	कोई बनाने वाला आया था?	कोनी बनायाबा बिता आइ रय?
29.	नहीं..	नाई....
30.	किसी को सूचना दी थी?	काकिई सांगी रआस?
31.	नहीं....	नाई...
32.	अरे भाई, जब तक सूचना नहीं दोगे, तब उन्हें मालूम कैसे होगा कि इस गाव का हैडपंप बिगड़ा हुआ है?	अरे भाई, ना सांगले कसन जानबाय कितोमर गांवर बोरिंग चुआ नसला आचेत?
33.	अच्छा मैं शहर जाकर मिस्त्री को भिजवा दूंगा।	आले, मुई शहरे जाई करी मिसतरी/बनायबा माने के पठाये देबी।
34.	धन्यवाद	जुहार।

दूध संबंधी

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
1.	राम राम महाजन, राम राम	राम-राम सवकार, राम-राम
2.	यहाँ चाय मिलती है?	ऐती चाहा मिरुआय?
3.	नहीं मिलती है	ना मिरे।
4.	चाय पत्ती कहाँ से लाते हो?	चाहा गुंड कोनती ले आनु आआस?
5.	दूध कहाँ से लाते हो?	गोरस कोनती ले आनुआआस?
6.	गाय का दूध या भैस का?	गाय गोरस की भैसी गोरस?
7.	दूध के लिए बकरी पाल सकते हो?	गोरस कजे बोकड़ी पोसके सकास?
8.	गाँव में किसके घर में ज्यादा दूध होता है।	गाव ने कतक घरे खुबे गोरस होऊआय।
9.	क्या दही भी मिल सकता है?	दई बले मिरके सकसी काय?
10.	यहां डिब्बे का दूध मिलता है?	रे थाने डाबा गोरस मिरसी काय?
11.	डिब्बे का दूध कैसा होता है?	डाबा गोरस कसन रऊआय?
12.	दूध दुहना किसे आत है?	गोरस निकरायबार कोके आसूआय।
13.	दूध को ढँककर रखना चाहिए।	गोरस के ढाकी कारी संगायबार आया।
14.	दही से मक्खन कैसे निकालते हो?	दई ले खरसा कसन निकराउआआस?
15.	दूध गरम करके लाओ।	गोरस के तपाय करी आना।

मुर्गीपालन संबंधी

क्र.	हिन्दी वाक्य	भतरी अनुवाद
1.	क्या तुम्हारे घर में मुर्गी है?	काय तोमर घरे कुकड़ा आचे?
2.	कितनी मुर्गियाँ है?	कतक कुकड़ा आचोत?
3.	मुर्गी अंडे देती है?	कुकड़ा गार देऊआय?
4.	मुर्गी कितने दिन मे अण्डे देती है?	कुकड़ा कतक दिन ने गार देऊआय?
5.	प्रायः मुर्गी कितने अंडे देती है?	कुकड़ा कतक गार देऊआय?
6.	क्या सभी अंडे खा जाते हो?	काय सबू गार के खाई देबास?
7.	कितने अंडे बचते होंगे?	कतक गार के बाचायबास?
8.	अंडे का भाव क्या है।	गार र काय मोल आय?
9.	अंडा खराब तो नहीं है?	गार नससी तो नाई?
10.	खराब अंडा वापस कर देंगे।	नसला गार के लेऊटायेदेबू।
11.	तुम हमे चार अंडे दो।	तुई आमके चार गोटा गार देस।
12.	अंडे कैसे बनाकर खाते हो?	गार के कसन बनाय करी खाऊआआस।
13.	कितने पैसे दूँ	कतक पैसा देऊआंय?
14.	अंडे को पानी में उबालकर ले आओ।	गार के पानी ने उसायकरी आना।
15.	चार ही अंडे का आमलेट बनाकर लाओ।	चार गोटा गार र भाजा बनाय करी आन।
16.	अंडे खाने का और कोई तरीका है?	गार के खयबार कोनी अऊरी हिसाप तो नीआय।
17.	हम उसके बदले पैसे देंगे।	आमी तार काजे पैसा देबू।

---000---

<